छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

# एक सत बुलेटिन

जिले का प्रथम दैनिक समाचार पत्र स्थापना वर्ष 2020

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | गौरेला पेंड्रा मरवाही, शुक्रवार 23 अक्टूबर 2026 | वर्ष-07, अंक-114 पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

## न्यूज इन शॉर्ट

### पराली जलाने को लेकर पंजाब-हरियाणा को CAQM की सख्त हिदायत, लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी




**नई दिल्ली।** दिल्ली-NCR में सर्दियों के दौरान बढ़ने वाले वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) ने पंजाब और हरियाणा सरकारों के साथ समीक्षा बैठक की। 22 अक्टूबर को चंडीगढ़ में हुई इन बैठकों में पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के साथ-साथ वाहनों, सड़कों की धूल, निर्माण कार्यों और औद्योगिक इकाइयों से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने के उपायों की समीक्षा की गई। आयोग ने दोनों राज्यों को जमीनी स्तर पर कार्रवाई तेज करने और तय समयसीमा में योजनाओं को लागू करने के निर्देश दिए। और निगरानी व्यवस्था की समीक्षा की गई।

### ब्रह्मोस की रेंज 1500 KM तक होगी.. 2-3 साल में आएगी नई मिसाइल, दुनिया में बढ़ेगा भारत का दबदबा




**नई दिल्ली।** 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने के बाद, भारत की ब्रह्मोस मिसाइल को वैश्विक स्तर पर काफी पहचान मिल रही है। अब इस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की ताकत को और बढ़ाने की योजना पर काम चल रहा है। बताया जा रहा है कि अगले 2 से 3 वर्षों में, 1,500 किलोमीटर तक की मारक क्षमता वाली ब्रह्मोस मिसाइल का एक नया संस्करण और साथ ही 'ब्रह्मोस-एनजी' पेश किया जाएगा ब्रह्मोस एयरोस्पेस के CEO और MD डॉ। जयतीर्थ जोशी ने कहा है कि ब्रह्मोस आज भारत की रक्षा निर्यात रणनीति का प्रमुख हथियार बन चुकी है। साल 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने के बाद इस मिसाइल की अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहचान और मजबूत हुई है।

### छठ से पहले यमुना की सफाई पर हलचल तेज, दिल्ली सरकार खर्च करेगी 8941 करोड़



**नई दिल्ली।** 'अमित शाह ने दिल्ली में यमुना नदी की सफाई के लिए 8,941 रुपये के प्रोजेक्ट्स लॉन्च किए। इनमें एक नया सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, कई डीसेंट्रलाइज्ड सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और नई सीवर लाइनें शामिल हैं।दिल्ली में यमुना का प्रदूषण और सफाई एक बार फिर से राजनीति के केंद्र में है। आगामी सर्दियों और छठ पर्व को लेकर विपक्ष ने अभी से यमुना में उठ रहे झाग को दिखाते हुए सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। वहीं, दिल्ली और केंद्र सरकार दोनों ने इसे अपने बड़े एजेंडे में शामिल कर 2029 तक यमुना को निर्मल करने की ताल ठोक दी है।

### त्योहारी सीजन के लिए उत्तर रेलवे का बड़ा फैसला, कई विशेष ट्रेनों के लगेंगे 30 प्रतिशत ज्यादा फेरे



**नई दिल्ली।** त्योहारी सीजन में उत्तर रेलवे ने विशेष ट्रेनों के 30 फीसदी फेरे बढ़ाने का फैसला किया है। मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने जानकारी दी है कि विशेष ट्रेनें 6200 से अधिक फेरे लगाएंगी।त्योहारों के मौसम में यात्रियों की भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे ने बड़ा फैसला किया है। यात्रियों के लिए उत्तर रेलवे ने व्यापक प्रबंध किए हैं, ताकि सभी यात्रियों को सुगम, आरामदायक और सुरक्षित यात्रा सुविधा मिल सके।इस वर्ष त्योहारी सीजन के दौरान उत्तर रेलवे ने फेरों की संख्या में पिछले वर्ष की तुलना में करीब 30 फीसदी की बढ़ोत्तरी की है।

**विकसित भारत के निर्माण में युवाओं और महिलाओं की समान भागीदारी आवश्यक**

# युवा बड़े सपने देखें, अपनी सफलता को समाज और राष्ट्र की सेवा से जोड़ें: राष्ट्रपति

**एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर**

***युवा बड़े सपने देखें, अपने विचारों को व्यापक बनाएं और अपनी सफलता को समाज एवं राष्ट्र की सेवा से जोड़ें। परिस्थितियां और चुनौतियां अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन प्रत्येक युवा के भीतर कुछ नया करने, बेहतर बनाने और अपनी पहचान स्थापित करने की ललक होनी चाहिए। जब युवाओं के व्यक्तिगत प्रयास सामूहिक और राष्ट्रीय लक्ष्यों से जुड़ेंगे, तभी देश की प्रगति का मार्ग और अधिक प्रशस्त होगा। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में नुआखाई के अवसर पर आयोजित 'सेवा सम्मान पर्व एवं युवा प्रबोधन' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय सहित बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं और समाज के विभिन्न वर्गों के लोग उपस्थित थे।***




## युवा बड़े सपने देखें, अपनी सफलता को समाज और राष्ट्र की सेवा से जोड़ें- राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

*राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने नुआखाई की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नुआखाई मिलन केवल एक सांस्कृतिक समारोह नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध परंपराओं, आपसी सद्भाव और सामाजिक एकता का उत्सव है। ऐसे आयोजन हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहने, अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने और भारतीय जीवन मूल्यों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का अवसर प्रदान करते हैं।उन्होंने कहा कि नुआखाई हमारी कृषि परंपरा को सहेजने, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और सामुदायिक भावना को मजबूत करने का पर्व है। अन्न केवल हमारी भूख मिटाने का साधन नहीं, बल्कि किसान भाई-बहनों के परिश्रम, धरती की उदारता और प्रकृति के अनमोल उपहार का प्रतीक है। अन्न का सम्मान करना, किसानों के योगदान को स्वीकार करना और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना हम सभी का सामूहिक दायित्व है।*

### ज्ञान के साथ विनम्रता, महत्वाकांक्षा के साथ नैतिकता और सफलता के साथ सेवा-भाव जोड़ें युवा

*राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने युवाओं से कहा कि वे जीवन में सीखना कभी बंद न करें। पुस्तकें पढ़ें, प्रश्न पूछें, नई चीजों को समझें और अपने ज्ञान एवं कौशल को निरंतर विकसित करें। जीवन में लक्ष्य तय करें और चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना करें। सफलता और असफलता जीवन का हिस्सा हैं। असफलता से निराश होने के बजाय साथ नैतिकता और सफलता के साथ सेवा-भाव को जोड़ना चाहिए। आपका ज्ञान किसी जरूरतमंद के काम आए।*

# पीएम बोले-कुछ लोग विदेशों में भारत को बदनाम कर रहे

***कांग्रेस कब तक अपने फेल प्रोडक्ट की लॉन्चिंग के लिए देश को दांव पर लगाती रहेगी***



नई दिल्ली। दुनिया के बदले हालात पर- आजकल नए वर्ल्ड ऑर्डर की चर्चा भी हर कोई कर रहा है, क्योंकि इसका असर आम लोगों के जीवन पर पड़ रहा है। समझना होगा कि वर्ल्ड ऑर्डर बदल क्यों रहा है और भारत की भूमिका क्या है। दूसरे विश्व युद्ध ने दुनिया को एक बड़ा सबक दिया था। दुनिया ने समझा था कि सम्मान, सहयोग और विवादों का समाधान भी जरूरी है। इसी ने यूएन की नींव रखी।

यूएन के सामने चुनौतियां-टेक्नोलॉजी ने दुनिया को पूरी तरह बदल दिया। पहले जो देश उस वक्त ग्लोबल ऑर्डर का हिस्सा नहीं थे, अब वो भी आ गए हैं। यूएन के सामने आज की चुनौतियां साफ दिखाई देती हैं। जब दुनिया की समस्याएं बदल जाएं और समाधान का तरीका नहीं बदले तो दूरियां दिखती हैं। आज वही हो रहा है।

होर्मुज और तनाव पर- आज ट्रेड वेपनाइजेशन का माध्यम बन रहा है, समुद्री रास्ते आज जियोपॉलिटिकल टेंशन का केंद्र बन रहे हैं। चुनौती ये है कि नई वास्तविकताओं को जगह कैसे मिले। यहां से भारत की भूमिका भी सामने आती है। 2020 में मैंने कहा था कि दुनिया के लिए एक नए वर्ल्ड ऑर्डर की जरूरत है यानी ऐसी व्यवस्था, जिसके केंद्र में लोग हों।



## शाह बोले-कांग्रेस 30 साल तक सत्ता में नहीं आएगी

**एजेंसी ➤ नई दिल्ली**

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन और धरने से कुछ हासिल नहीं होता। चुनाव जीतना है तो जनता के बीच जाकर उनकी समस्याएं समझनी होंगी और कल्याणकारी योजनाओं पर काम करना होगा।उन्होंने कहा, विपक्ष राजनीतिक चालबाजी और भीड़ के दम पर जनता के जनादेश को चुनौती नहीं दे सकता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी नकारात्मक राजनीति के कारण अगले 30 साल तक सत्ता में नहीं आ पाएगी।शाह दिल्ली में यमुना पुनर्जीवन से जुड़ी परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने दिल्ली जल बोर्ड की 8,941 करोड़ रुपए की 33 परियोजनाओं की शुरुआत की।वोट चोरी के आरोपों पर कांग्रेस पर क्या कहा

अगर चुनाव जीतना है तो जनता के बीच जाइए और उनकी समस्याएं समझिए। ये प्रदर्शन और धरने कुछ हासिल नहीं करेंगे। जहां आपकी सरकार है, वहां जनता के कल्याण के लिए योजनाएं लागू कीजिए, नहीं तो बाकी जगहों से भी आपका सफाया हो जाएगा।भाजपा की जीत के बाद चुनाव में गड़बड़ी के आरोप लगाए जाते हैं। दरअसल विपक्ष वोट चोरी का मुद्दा उठाकर अपनी हार का बहाना बना रहा है।आलोचना करता है, जबकि अदालतों के फैसले अपने पक्ष में आने पर उन्हें सही बताता है। शाह ने केरल, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना में विपक्षी दलों की जीत का हवाला देते हुए कहा कि वहां भी वही श्वङ्करूऔर चुनाव आयोग थे।

# जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित, कलेक्टर ने त्रुटिरहित एवं समयबद्ध जनगणना के दिए निर्देश

**25 जनवरी से 28 फरवरी 2027 तक होगी जनगणना, शत-प्रतिशत डिजिटल माध्यम से होगा कार्य**

**एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही**

द्वितीय चरण अंतर्गत जनसंख्या गणना कार्य की तैयारियों के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्री विजय दयाराम के. ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है। इसके आंकड़े देश की विकास योजनाओं, नीतियों एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी




प्रतिभागियों को प्रशिक्षण में बताए जा रहे तकनीकी पहलुओं को गंभीरतापूर्वक सुनने, समझने तथा निर्धारित समय-सीमा में त्रुटिरहित एवं शत-प्रतिशत जनगणना कार्य संपन्न कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि जनगणना के दौरान एक भी व्यक्ति गणना से वंचित नहीं रहना चाहिए।

प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स ने बताया कि छत्तीसगढ़ में जनगणना 2027 के द्वितीय चरण अंतर्गत जनसंख्या गणना का कार्य 25 जनवरी से 28 फरवरी 2027 तक किया जाएगा। इस दौरान जनगणना में पूछे जाने वाले 40 प्रश्नों, आंकड़ों के संकलन की प्रक्रिया तथा विभिन्न तकनीकी एवं प्रशासनिक पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि जनगणना का संपूर्ण कार्य शत-प्रतिशत डिजिटल माध्यम से संपादित किया जाएगा। इसके लिए प्रगणक अपने स्मार्टफोन में निर्धारित मोबाइल ऐप के माध्यम से घर-घर जाकर आंकड़ों का संग्रहण करेंगे।

### सीमा पर आर्मी बेस, आसमान में राफेल और S-400 से सुरक्षाज्भारत की सैन्य तैयारी से घबराया बांग्लादेश!

**एजेंसी ➤ नई दिल्ली**

भारत सीमा की सुरक्षा के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल बढ़ा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, बीएसएफ, ढ्ढ कमांड सेंटर और आधुनिक निगरानी प्रणालियों की मदद से सीमा पर होने वाली गतिविधियों पर नजर रख रहा है।

भारत की बढ़ती सैन्य ताकत और सीमा पर मजबूत होती सुरक्षा व्यवस्था ने पूरे क्षेत्र की रणनीतिक हलचल बढ़ा दी है। बांग्लादेश से लगी सीमा के करीब भारतीय सेना के नए ठिकानों, आधुनिक निगरानी तकनीक और एयर डिफेंस सिस्टम को लेकर चर्चा तेज है। सूत्रों के मुताबिक, भारत पूर्वी और पूर्वोत्तर क्षेत्र में अपनी सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने में जुटा है। ऐसे में भारत की इन तैयारियों से बांग्लादेश में भी चिंता है, क्योंकि सीमा के पास सैन्य ढांचे को मजबूत करने और सिलीगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा पर भारत का बढ़ता फोकस इस पूरे क्षेत्र को रणनीतिक रूप से बेहद अहम बना रहा है।

**नोएडा में प्रदूषण फैलाने वालों पर एक्शन**

# 1.28 करोड़ का जुर्माना; 17 साइटों पर मिली गड़बड़ी

**एजेंसी ➤ नई दिल्ली**

दिल्ली-NCR में बढ़ते प्रदूषण के बीच GRAP-1 लागू होने के बाद नोएडा में प्रदूषण फैलाने वालों पर कार्रवाई तेज कर दी गई है। 30 साइटों का निरीक्षण किया गया, जिनमें 17 जगहों पर नियमों का उल्लंघन मिला।दिल्ली-ह्रष्टक्र में बढ़ते वायु प्रदूषण के बीच GRAP-1 लागू होने के बाद नोएडा और ग्रेटर नोएडा में सख्ती बढ़ा दी गई है। एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 200 के पार पहुंचने के बाद प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों पर निगरानी तेज कर दी गई है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के निर्देशों के तहत संबंधित विभागों को प्रदूषण पर नियंत्रण के उपाय लागू करने और लगातार स्थिति की समीक्षा करने को कहा गया है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने नियमों का उल्लंघन करने वाली निर्माण साइटों और औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। विभाग की टीम लगातार अलग-अलग जगहों पर निरीक्षण कर रही है, ताकि पर्यावरण के नियमों का पालन कराया जा सके।उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नोएडा क्षेत्राधिकार रितेश तिवारी के मुताबिक, अक्टूबर और नवंबर के दौरान अब तक करीब 30 साइटों का निरीक्षण किया गया है। इनमें से 17 साइटों पर प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े नियमों का उल्लंघन पाया गया।

**टाइगर श्रॉफ पर हमले से पहले यहीं हुई हथियार की टेस्टिंग**

# पुलिस ने आरोपियों के लिए मांगी 14 दिन की रिमांड, अनिल पंडित 'वांटेड'

**एजेंसी ➤ नई दिल्ली**

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस में शूटर्स का अंधेरी के एक होटल का कमरा नंबर 201 ठिकाना बना था। यहां हमलावर 5 दिन तक फर्जी पहचान से छिपे रहे। यहीं उन्होंने हथियार की टेस्टिंग की और रेकी भी की।मुंबई के जुहू इलाके में बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग मामले की जांच में एक होटल के कमरे को लेकर चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। अंधेरी के एक होटल का कमरा नंबर 201 शूटर्स का सीक्रेट ठिकाना बना था। इस कमरे में हमलावर 5 दिन तक फर्जी पहचान से रुके हुए थे। पुलिस को आशंका है कि टाइगर श्रॉफ पर हमले से पहले इसी कमरे में हथियार की टेस्टिंग भी की गई थी।



### हथियार को होटल के कमरे में टेस्ट करने का शक

*जांच से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, पुलिस को शक है कि फायरिंग में इस्तेमाल किए जाने वाले हथियार को होटल के कमरे में टेस्ट किया गया हो सकता है। यह भी आशंका जताई गई कि हथियार चलाने की कोशिश के दौरान मिसफायर हुआ था। हालांकि, होटल के कर्मचारियों ने कमरे से गोली चलने की आवाज सुनने की बात नहीं बताई है। पुलिस ने इस होटल के कमरे को बंद कर दिया है।टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले में पुलिस अब आरोपियों के ठहरने, हथियार की सप्लाई और रेकी से जुड़े घटनाक्रम की कड़ियों को जोड़कर जांच कर रही है। जांच एजेंसियां इस कमरे को संदिग्धों के ठिकाने के तौर पर देख रही हैं। फोरेंसिक की टीम भी इस होटल के कमरे में आई थी और सभी फोरेंसिक एविडेंस साथ लेकर गई हैं।कमरा नंबर 201 से मिले साक्ष्य इस जांच में अहम साबित हो सकते हैं।*

## न्यूज इन शॉर्ट




### माथलडबरी में पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन 24 से

डोंगरगांव । अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन तथा रामेश्वर प्रज्ञा मंडल माथलडबरी के तत्वावधान् में आगामी 24 एवं 25 अक्टूबर को पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ तथा विविध संस्कार का कार्यक्रम रखा गया है। इस दौरान पहले दिन गांव में भव्य कलश यात्रा निकाली जायेगी। परम पूज्य गुरूदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्य एवं परम वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा के सूक्ष्म संरक्षण में माताजी श्रीमती भगवती देवी शर्मा की जन्म शताब्दी, अखण्ड ज्योति के 100 वर्ष पूर्ण होने तथा गुरूदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्य के साधना के 100 वर्ष पूर्ण होने पर पूरे विश्व में आयोजित जन्म शताब्दी समारोह के क्रम में ग्राम माथलडबरी (डोंगरगांव) में भी रामेश्वर प्रज्ञा मंडल के तत्वावधान् में ग्रामवासियों के सहयोग से पाँच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ, निःशुल्क संस्कार तथा दीप यज्ञ का कार्यक्रम रखा गया है। आयोजन समिति द्वारा दी गई जानकारी अनुसार पहले दिन 24 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे से गांव में भव्य कलश यात्रा निकाली जायेगी। पश्चात् सायं 6 बजे से दीपयज्ञ कार्यक्रम रखा गया है। दूसरे दिन 25 अक्टूबर को सुबह 8.30 बजे से पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ, विविध संस्कार पश्चात् महापूर्णाहूति संपन्न होगा। आयोजन समिति द्वारा ग्राम माथलडबरी सहित अंचल के श्रद्धालुजनों से कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में उपस्थिति की अपील की गई है।

### जिला स्तरीय युवा उत्सव के लिए पंजीयन 30 अक्टूबर तक

मुंगेली,जिले के युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और कला-संस्कृति के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय युवा उत्सव 2026-27 का आयोजन किया जा रहा है। इसमें युवाओं को विभिन्न विधाओं में अपनी रचनात्मकता, सांस्कृतिक प्रतिभा और नवाचार प्रस्तुत करने का मंच मिलेगा। इच्छुक प्रतिभागी 30 अक्टूबर 2026 तक अपने विकासखंड के नोडल अधिकारियों से संपर्क कर पंजीयन करा सकते हैं। वरिष्ठ खेल अधिकारी ने बताया राज्य स्तरीय आयोजन 01 से 07 दिसंबर 2026 के मध्य दो दिवसीय कार्यक्रम के रूप में बिलासपुर जिले में आयोजित किया जाएगा। जिला स्तरीय युवा उत्सव 2026-27 में कुल नौ विधाओं को शामिल किया गया है। इनमें विकसित भारत चैलेंज ट्रैक, लोक नृत्य, लोकगीत, चित्रकला, कविता लेखन, नुक्कड़ नाटक, क्रिएटिव यूथ रील चैलेंज, पारंपरिक वेशभूषा और रॉक बैंड शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सभी विधाओं में 15 से 29 वर्ष तक के प्रतिभागी तथा 18 से 40 वर्ष तक के संगतकार हिस्सा ले सकते हैं। आयु की गणना 17 अगस्त 2026 की स्थिति में की जाएगी। पंजीयन के लिए विकासखंड पथरिया में श्री अशोक कुमार यादव, व्यायाम शिक्षक, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिलतरा तथा श्री निर्मल जांगड़े, व्यायाम शिक्षक, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मदकू से सम्पक कर सकते हैं। इसी तरह विकासखंड लोरमी में श्री सुबोध कुमार सिंह, व्यायाम शिक्षक, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोड़खाम्ही तथा श्री रामनारायण सिंह राजपूत, व्यायाम शिक्षक, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेमरसल और विकासखंड मुंगेली में श्री जावेद कोशले, व्यायाम शिक्षक, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दशरंगपुर तथा श्री राजेन्द्र साहू, व्यायाम शिक्षक, सेजेस दाउपारा, मुंगेली से सम्पर्क कर पंजीयन करा सकते हैं। युवा उत्सव से संबंधित विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रतिभागी जिला कलेक्टोरेट स्थित वरिष्ठ खेल अधिकारी, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, कक्ष क्रमांक 241 में संपर्क कर सकते हैं।

# जिले में जनगणना 2027 के द्वितीय चरण के प्रशिक्षण का प्रथम दिवस संपन्न, गणना प्रक्रिया की दी गई जानकारी

## प्रगणकों और पर्यवेक्षकों की जिम्मेदारियों पर विशेष जोर, जनगणना कार्य को व्यवस्थित एवं समयबद्ध तरीके से पूरा करने की तैयारी

***स्व-गणना और मोबाइल ऐप के जरिए जुटाई जाएगी जानकारी, गणना ब्लॉक के निर्धारण से लेकर परिवारों के आंकड़ों के संकलन तक दी गई विस्तृत जानकारी***

**एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी**




जनगणना 2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों को गति देने के लिए जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम दिवस का प्रशिक्षण संपन्न हुआ। अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी श्रीमती नम्रता डोगरे की अध्यक्षता में 22 एवं 23 अक्टूबर 2026 को आयोजित इस प्रशिक्षण के प्रथम दिवस पर कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में अधिकारियों को जनगणना की विभिन्न प्रक्रियाओं, गणना ब्लॉकों के गठन, पर्यवेक्षक सर्कल के निर्धारण तथा आंकड़ों के व्यवस्थित संकलन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। जनगणना कार्य निदेशालय, रायपुर से आए मास्टर ट्रेनर नसीब अहमद खान, सा.अ. ग्रेड-2 तथा जिला नोडल अधिकारी अतुल बंसोड़, सा.अ. ग्रेड-2 ने अधिकारियों को जनगणना कार्य की योजना तैयार करने, कार्मिकों की जिम्मेदारियां निर्धारित करने और पूरी प्रक्रिया को निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रभावी ढंग से संपन्न कराने के संबंध में प्रशिक्षण दिया।

### *गणना ब्लॉक और पर्यवेक्षक सर्कल के गठन की समझाई प्रक्रिया*

प्रशिक्षण के दौरान गणना ब्लॉकों के गठन, पर्यवेक्षक सर्कल के निर्धारण तथा भवनों और मकानों की पहचान एवं गणना की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया गया। अधिकारियों को बताया गया कि जनगणना के प्रभावी संचालन के लिए गणना क्षेत्र का उचित निर्धारण, भवनों एवं मकानों का व्यवस्थित विवरण और उनमें निवासरत परिवारों की संख्या का आकलन महत्वपूर्ण है। निर्धारित क्षेत्र में भवनों और मकानों की पहचान के बाद उपलब्ध जानकारी तथा निर्धारित मानकों के आधार पर गणना ब्लॉकों का निर्धारण किया जाएगा। इन ब्लॉकों में कार्यरत प्रगणकों के काम की निगरानी के लिए पर्यवेक्षक सकल बनाए जाएंगे। पर्यवेक्षक अपने निर्धारित क्षेत्र म गणना कार्य की प्रगति पर नजर रखेंगे और प्रगणकों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। प्रशिक्षण में कार्य का उचित वितरण, अतिरिक्त कार्मिकों की आवश्यकता और उनकी नियुक्ति से जुड़ी प्रक्रियाओं की जानकारी भी दी गई।

### *घर-घर पहुंचकर परिवारों की जानकारी जुटाएंगे प्रगणक*

जनगणना की पूरी प्रक्रिया में प्रगणकों और पर्यवेक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। प्रगणक अपने निर्धारित गणना क्षेत्र में घर-घर जाकर परिवारों से निर्धारित प्रश्नों के आधार पर जानकारी एकत्र करेंगे। इसमें परिवार के सदस्यों की संख्या, आयु, शिक्षा तथा जनसांख्यिकीय, सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक, प्रवासन और प्रजनन संबंधी निर्धारित विवरण शामिल होंगे। वहीं, पर्यवेक्षक अपने अधीनस्थ प्रगणकों के कार्यों की निगरानी करेंगे तथा यह सुनिश्चित करने में सहयोग देंगे कि जानकारी का संकलन व्यवस्थित, सटीक और निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप हो। प्रशिक्षण के दौरान फील्ड कर्मचारियों को उनकी जिम्मेदारियों, कार्यप्रणाली और आंकड़ों के संकलन में बरती जाने वाली सावधानियों से भी अवगत कराया गया।

## राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस की जिला स्तरीय प्रतियोगिता 23 अक्टूबर को

***चयनित विद्यार्थी वैज्ञानिक परियोजनाओं का करेंगे प्रस्तुतिकरण, नवाचार और वैज्ञानिक अनुसंधान को मिलेगा प्रोत्साहन***

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस (एनसीएससी) 2026-27 के अंतर्गत जिला स्तरीय बाल विज्ञान परियोजना प्रतियोगिता का आयोजन शुक्रवार 23 अक्टूबर को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) पेंड्रा में किया गया है। प्रतियोगिता में चयनित विद्यार्थी अपनी वैज्ञानिक परियोजनाओं का निर्णायक मंडल के समक्ष प्रस्तुतिकरण करेंगे। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तार्किक चिंतन, नवाचार एवं अनुसंधान की प्रवृत्ति विकसित करना तथा स्थानीय समस्याओं का वैज्ञानिक पद्धति से समाधान खोजने के लिए प्रोत्साहित करना है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को अपने आसपास की समस्याओं का अध्ययन, विश्लेषण एवं वैज्ञानिक निष्कर्ष प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए गठित निर्णायक मंडल द्वारा पूर्व में 10 अक्टूबर को प्राप्त प्रोजेक्ट फाइलों का अध्ययन एवं परीक्षण कर उत्कृष्ट एवं नवाचारी परियोजनाओं के चयन की प्रक्रिया की गई है। चयनित विद्यार्थी प्रतियोगिता में अपनी परियोजनाओं की वैज्ञानिक अवधारणा, कार्यप्रणाली, अध्ययन के परिणाम एवं निष्कर्ष प्रस्तुत करेंगे। निर्णायक मंडल द्वारा परियोजनाओं का मूल्यांकन विषय की प्रासंगिकता, समस्या की समझ, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, अनुसंधान पद्धति, आंकड़ों के विश्लेषण, निष्कर्ष एवं प्रस्तुतीकरण क्षमता के आधार पर किया जाएगा। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस विद्यार्थियों की वैज्ञानिक प्रतिभा को निखारने तथा स्थानीय संसाधनों एवं समस्याओं पर आधारित नवाचार को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण मंच है। प्रतियोगिता के माध्यम से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उच्चतर स्तर पर अपनी वैज्ञानिक क्षमता प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

## दिवंगत सीएचओ कमलेश्वरी साहू के पिता को दिया गया 50 हजार रुपये का अनुकम्पा अनुदान

मुंगेली, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मानव संसाधन नीति के तहत दिवंगत संविदा कर्मचारी के आश्रित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) स्वर्गीय सुश्री कमलेश्वरी साहू के आकस्मिक निधन के पश्चात उनके पिता श्री अर्जुन लाल साहू को 50 हजार रुपये की एकमुश्त राशि अनुकम्पा अनुदान के रूप में प्रदान की गई है। सीएमएचओ ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत मुंगेली विकासखंड स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र धरमपुरा में सुश्री कमलेश्वरी साहू सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी के पद पर कार्यरत थीं। उनका आकस्मिक निधन 18 अक्टूबर 2026 को हो गया। उनके निधन से परिवार को हुई क्षति के बीच राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मानव संसाधन नीति के प्रावधानों के अनुरूप उनके आश्रित परिवार को आर्थिक सहायता देने की प्रक्रिया पूरी की गई। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मानव संसाधन नीति-2018 के कंडिका क्रमांक 43 में संविदा कर्मचारी की आकस्मिक मृत्यु पर अनुग्रह भुगतान का प्रावधान किया गया है। इसके पूर्व पिछले 05 वर्षों में कुल 03 कर्मचारियों की मृत्यु पश्चात उनके परिजनों को अनुकम्पा अनुदान राशि प्रदान की जा चुकी है।

## सेवा सेतु से आंचल सिंह को महज दो दिन में मिला आय प्रमाण पत्र, शासकीय सेवाओं की त्वरित उपलब्धता से मिली राहत

***ग्राम कोईलारा की आंचल को घर के नजदीक मिली समयबद्ध शासकीय सेवा, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति जताया आभार***

**एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी**

छत्तीसगढ़ शासन की सेवा सेतु पहल आम नागरिकों को शासकीय सेवाएं सरल, सुलभ और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसका लाभ मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के विकासखंड भरतपुर अंतर्गत ग्राम कोईलारा निवासी आंचल सिंह, पिता रमेश सिंह, को मिला है। सेवा सेतु के माध्यम से आवेदन करने के महज दो दिनों के भीतर उनका आय प्रमाण पत्र बनकर तैयार हो गया। कम समय में आवश्यक दस्तावेज मिलने से आंचल को राहत मिली और उन्होंने शासन की इस पहल पर प्रसन्नता व्यक्त की। दो दिन में आय प्रमाण पत्र मिलने से प्रक्रिया हुई आसान आय प्रमाण पत्र शिक्षा, छात्रवृत्ति सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण दस्तावेज है। ऐसे में समय पर प्रमाण पत्र उपलब्ध होना नागरिकों के लिए बड़ी सुविधा है। आंचल सिंह को सेवा सेतु के माध्यम से आवेदन के मात्र दो दिनों में आय प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ। इससे उन्हें आवश्यक दस्तावेज के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ा। यह पहल शासकीय सेवाओं को आम नागरिकों तक त्वरित रूप से पहुंचाने की दिशा में प्रभावी साबित हो रही है।

### *सेवा सेतु से सरल हो रही शासकीय सेवाओं तक पहुंच*

सेवा सेतु के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाओं का लाभ पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे प्रमाण पत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने की प्रक्रिया सुगम हो रही है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को आवश्यक सेवाएं कम समय में उपलब्ध कराने की दिशा में यह पहल उपयोगी साबित हो रही है।



### *आंचल ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति जताया आभार*

महज दो दिनों में आय प्रमाण पत्र मिलने पर आंचल सिंह ने खुशी जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने सेवा सेतु पहल को आम नागरिकों के लिए सुविधाजनक बताते हुए त्वरित शासकीय सेवा उपलब्ध कराने की सराहना की।

सेवा सेतु के माध्यम से आंचल सिंह को मिला आय प्रमाण पत्र इस बात का उदाहरण है कि समयबद्ध सेवा वितरण से आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान संभव है। शासन की यह पहल 'सेवा से समाधान तक' की भावना को साकार करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में शासकीय सेवाओं की पहुंच को अधिक सरल और प्रभावी बना रही है।

## युवा रत्न सम्मान योजना के लिए 30 अक्टूबर तक आवेदन आमंत्रित

### उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं को मिलेगा एक लाख से ढाई लाख रुपए तक का सम्मान, युवा संगठन को पांच लाख रुपए

**एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही,**

छत्तीसगढ़ शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश के प्रतिभाशाली युवाओं को प्रोत्साहित करने तथा विभिन्न क्षेत्रों में उनके उत्कृष्ट योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से संचालित युवा रत्न सम्मान योजना 2026-27 के तहत जिले के पात्र युवाओं एवं स्वैच्छिक संगठनों से 30 अक्टूबर तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना के अंतर्गत असाधारण एवं विशिष्ट सेवा कार्य के लिए एक युवा को छत्तीसगढ़ युवा रत्न सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। चयनित युवा को 2 लाख 50 हजार रुपए, पदक, शाल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। इसी प्रकार उत्कृष्ट कार्य करने वाले एक स्वैच्छिक संगठन को युवा संगठन सम्मान के तहत 5 लाख रुपए, पदक, शाल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 13 विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वाले एक-एक युवा को एक-एक लाख रुपए की सम्मान राशि प्रदान की जाएगी। इन क्षेत्रों में सामाजिक कार्य, साहित्य, नवाचार एवं उद्योग, शिक्षा, खेल, पर्यावरण, महिला एवं बाल विकास, मीडिया, स्वास्थ्य, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, कला एवं संगीत तथा लोककला शामिल हैं।जिला स्तर पर प्राप्त आवेदनों का परीक्षण




कर जिला स्तरीय चयन समिति की अनुशंसा के साथ संचालनालय, खेल एवं युवा कल्याण, रायपुर को भेजा जाएगा। अंतिम चयन राज्य स्तरीय चयन समिति द्वारा किया जाएगा। जिला खेल अधिकारी गौरेला-पेंड्रा-मरवाही ने जिले के प्रतिभाशाली युवाओं एवं पात्र स्वैच्छिक संगठनों से निर्धारित समय-सीमा में आवेदन प्रस्तुत करने की अपील की है। योजना एवं आवेदन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी के लिए कार्यालय जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही से संपर्क किया जा सकता है।

## ऐतिहासिक भीड़ के साथ आत्मानंद स्कूल में रावण के पुतले का दहन



***छालीवुड कलाकार आस्था शर्मा, प्रसिद्ध गायक शिवम यादव व स्वाति वैष्णव ने बांधा शमा***

**एक सत बुलेटिन ➤ डोंगरगांव**

नगर के आत्मानंद स्कूल मैदान में मंगलवार को श्री निशांत दुर्गा उत्सव एवं दशहरा उत्सव समिति के तत्वावधान् में भव्य दशहरा उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ऐतिहासिक भीड़ उमड़ी और नगरवासियों सहित बड़ी संख्या में पहुंचे दर्शकों ने लगभग 61 फुट ऊंचे रावण के पुतले दहन के साक्षी बनकर बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व उत्साह के साथ मनाया। इस दौरान छालीवुड कलाकार आस्था शर्मा लोगों के बीच आकर्षण का केन्द्र बिन्दू रही, वहीं प्रसिद्ध लोक गायक शिवम यादव तथा स्वाति वैष्णव ने अपनी स्वर लहरियों से खूब शमां बांधा। नगर की गौरवशाली धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरानुसार इस बार नगर की सबसे पुरानी श्री निशांत दुर्गा एवं दशहरा उत्सव समिति द्वारा स्थान परिवर्तन करते हुए रावण दहन का कार्यक्रम स्थानीय स्वामी आत्मानंद स्कूल मैदान में किया। इससे पहले नगर में दुर्गा प्रतिमाओं की झांकी के साथ प्रतिमाओं की विसर्जन यात्रा निकाली गई। गाजे बाजे और भक्ति गीतों के साथ निकाली यात्रा में बड़ी संख्या में समिति के पदाधिकारी व सदस्यों के अलावा नगरवासी सम्मिलित हुए। विसर्जन यात्रा नगर के मुख्य मार्ग के अलावा चौकी रोड, फौव्वारा चौक, पुराना बस स्टैण्ड, पुराना थाना रोड होते हुए बरगांव स्थित नदी पहुंची जहां पर देर रात्रि तक विसर्जन का दौर चला।

नगर में मुख्य रूप से आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में स्थानीय आत्मानंद स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में छालीवुड कलाकार आस्था शर्मा ने सबको लुभाया। उन्हें छालीवुड के अनेक गानों में सह कलाकार के साथ प्रस्तुति देकर खूब तालियां बटोरी। इसके अलावा रायपुर से आये प्रसिद्ध लोक गायक शिवम यादव एवं स्वाति वैष्णव ने जम्मा जागरण गीत, जस गीत, छत्तीसगढ़ी गीतों से ऐसा शमां बांधा कि दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। कलाकारों की प्रस्तुतियों ने आयोजन में चार चांद लगा दिए।आयोजन के दौरान दर्शकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शानदार बैठक व्यवस्था की गई थी, वहीं आयोजन समिति द्वारा दर्शकों के लिए पुलाव की व्यवस्था भी की गई थी। पूरे कार्यक्रम में शुरू से लेकर अंतिम तक उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला। इस दौरान बतौर अतिथि उपस्थित पूर्व जिपं अध्यक्ष दिनेश गांधी, स्वरूपचंद जैन, संतोष वैष्णव, अनिल टावरी, जेठमल लोढा सहित समिति पदाधिकारियों ने रावण दहन से पहले भगवान श्रीराम एवं माता सीता के स्वरूप में सजे बच्चों की आरती उतारी। इसके बाद विधिविधान और उत्सवी माहौल के बीच 61 फुट ऊंचे रावण का दहन किया गया। रावण दहन होते ही मैदान जय श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा। श्री निशांत दुर्गा उत्सव एवं दशहरा उत्सव समिति द्वारा आयोजित इस भव्य कार्यक्रम ने नगर में दशहरा पर्व की खुशियों को और बढ़ा दिया। बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति और कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियों के चलते आयोजन यादगार बन गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति तरूण गांधी, राजू दुबे, संदीप वैष्णव, गिरीश पंसारी, कमलेश यादव, लोकेश यदु, प्रतीक ठाकुर, अमिताभ जैन, संजय यदु, सोनू लोढा, सौरभ ठाकुर, दुष्यंत वैष्णव, ज्ञानेश्वर हिरवानी, गब्बर जैन, श्यामसुंदर लाउत्रे, गोविन्दा राजपूत, गिरिजाशंकर उइके, गौरव यदु सहित अनेक लोगों का सहयोग रहा।

### फसल उत्पादन के साथ-साथ किसानों की आजीविका को भी सुदृढ़ किया जा सके

## खेत बचाओ अभियान के तहत एनआईबीएसएम और केवीके मिलकर करेंगे किसानों को

**एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर**

आईसीएआर-राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान, द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र बेमेतरा के सहयोग से देशव्यापी खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत किसानों के बीच टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा दिया जाएगा। यह अभियान आज 22 अक्टूबर से 30 नवंबर 2026 तक संचालित होगा। इसका उद्देश्य रबी मौसम में मृदा स्वास्थ्य में सुधार, उर्वरकों के संतुलित उपयोग, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा जलवायु-अनुकूल कृषि को प्रोत्साहित करना है।

एनआईबीएसएम के निदेशक डॉ. पी. के. राय ने मृदा की उर्वरता बनाए रखने, संसाधनों के कुशल उपयोग तथा दीर्घकालीन कृषि स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए वैज्ञानिक एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने किसानों में जागरूकता बढ़ाने तथा



स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप कृषि तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे फसल उत्पादन के साथ-साथ किसानों की आजीविका को भी सुदृढ़ किया जा सके।

डॉ. पंकज शर्मा, संयुक्त निदेशक एवं खेत बचाओ अभियान के नोडल अधिकारी ने बताया कि केवीके बेमेतरा के साथ संस्थान के वैज्ञानिकों की टीम किसानों को वैज्ञानिक जानकारी, तकनीकी मार्गदर्शन तथा प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के साथ-साथ जागरूकता कार्यक्रमों एवं क्षमता विकास गतिविधियों में योगदान देगी। अभियान के अंतर्गत फसलों की आवश्यकता के अनुसार उर्वरकों के संतुलित एवं विवेकपूर्ण उपयोग, सामान्य उर्वरक अनुशंसाओं , एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन तथा जैविक एवं जैव उर्वरकों के उचित उपयोग पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके साथ ही प्राकृतिक खेती, फसल अवशेषों को जलाए बिना उनका उचित प्रबंधन तथा मृदा की नमी एवं अन्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए जागरूकता और प्रदर्शन गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

दलहन एवं तिलहन फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने, फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने तथा धान की कटाई के बाद खाली रहने वाले खेतों का उत्पादक उपयोग सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया जाएगा।

## न्यूज इन शॉर्ट

### खेत बचाओ अभियान के तहत एनआईबीएसएम और केवीके मिलकर करेंगे किसानों को जागरूक

रायपुर। आईसीएआर-राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान, द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र बेमेतरा के सहयोग से देशव्यापी खेत बचाओ अभियानके अंतर्गत किसानों के बीच टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा दिया जाएगा। यह अभियान आज 22 अक्टूबर से 30 नवंबर 2026 तक संचालित होगा। इसका उद्देश्य रबी मौसम में मृदा स्वास्थ्य में सुधार, उर्वरकों के संतुलित उपयोग, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा जलवायु-अनुकूल कृषि को प्रोत्साहित करना है। एनआईबीएसएम के निदेशक डॉ. पी. के. राय ने मृदा की उर्वरता बनाए रखने, संसाधनों के कुशल उपयोग तथा दीर्घकालीन कृषि स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए वैज्ञानिक एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने किसानों में जागरूकता बढ़ाने तथा स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप कृषि तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे फसल उत्पादन के साथ-साथ किसानों की आजीविका को भी सुदृढ़ किया जा सके। डॉ. पंकज शर्मा, संयुक्त निदेशक एवं खेत बचाओ अभियान के नोडल अधिकारी ने बताया कि केवीके बेमेतरा के साथ संस्थान के वैज्ञानिकों की टीम किसानों को वैज्ञानिक जानकारी, तकनीकी मार्गदर्शन तथा प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के साथ-साथ जागरूकता कार्यक्रमों एवं क्षमता विकास गतिविधियों में योगदान देगी।अभियान के अंतर्गत फसलों की आवश्यकता के अनुसार उर्वरकों के संतुलित एवं विवेकपूर्ण उपयोग, सामान्य उर्वरक अनुशंसाओं एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन तथा जैविक एवं जैव उर्वरकों के उचित उपयोग पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके साथ ही प्राकृतिक खेती, फसल अवशेषों को जलाए बिना उनका उचित प्रबंधन तथा मृदा की नमी एवं अन्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए जागरूकता और प्रदर्शन गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।दलहन एवं तिलहन फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने, फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने तथा धान की कटाई के बाद खाली रहने वाले खेतों का उत्पादक उपयोग सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया जाएगा। किसानों को विभिन्न सरकारी कृषि योजनाओं तथा स्थानीय कृषि परिस्थितियों के अनुकूल टिकाऊ तकनीकों की जानकारी भी दी जाएगी। इस संयुक्त पहल का उद्देश्य कृषि अनुसंधान एवं खेत स्तर पर प्रसार गतिविधियों के बीच समन्वय को मजबूत करना है। इससे किसान वैज्ञानिक जानकारी के आधार पर बेहतर निर्णय ले सकेंगे, अनावश्यक कृषि लागत को कम कर पाएंगे तथा संसाधनों के दक्ष उपयोग वाली कृषि पद्धतियों को अपना सकेंगे। यह पहल मृदा स्वास्थ्य में सुधार, टिकाऊ फसल उत्पादन तथा क्षेत्र की कृषि प्रणालियों को जलवायु एवं अन्य चुनौतियों के प्रति अधिक सक्षम बनाने में योगदान देगी।

### जिला स्तरीय युवा उत्सव 2026-27 प्रतिभा को मिलेगा मंच, कलेक्टर ने दिए निर्देश

उत्तर बस्तर कांकेर। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने आज जिला स्तरीय युवा उत्सव 2026-27 के आयोजन को लेकर अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि आयोजन का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक युवा भाग ले सकें और उनकी प्रतिभा जन-जन तक पहुंचे। जनप्रतिनिधियों, स्थानीय प्रभावी व्यक्तियों और सम्मानित नागरिकों की उपस्थिति भी सुनिश्चित करने को कहा गया।बैठक में जिला खेल अधिकारी द्वारा बताया गया कि युवा उत्सव में शामिल होने के लिए प्रतिभागियों के पंजीयन की अंतिम तिथि 28 अक्टूबर निर्धारित की गई है। जिला स्तरीय आयोजन 29 अक्टूबर 2026 को होगा, इसमें 15 से 29 वर्ष के युवा प्रतिभागी के रूप में भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिताओं में विकसित भारत चैलेंज ट्रैक, लोकनृत्य, लोकगीत, चित्रकला, कविता लेखन, नुक्कड़ नाटक, क्रिएटिव यूथ रील चैलेंज और पारंपरिक वेशभूषा शामिल हैं। प्रत्येक प्रतिभागी केवल एक विधा में भाग ले सकेगा और सभी प्रतिभागियों का 'माय भारत पोर्टल' पर पंजीयन अनिवार्य होगा।

### सेवा सेतु से आसान हुई शासकीय सेवाएं

सूरजपुर। सेवा सेतु केन्द्र आम नागरिकों तक सुशासन की सहज और पारदर्शी सेवाएं पहुंचाने का सशक्त माध्यम बन रही है। जिससे लोगों के समय, श्रम की भी बचत हो रही है। विकासखण्ड रामानुजनगर के ग्राम साल्ही के निवासी श्री अमर सिंह ने जाति प्रमाणपत्र बनवाने हेतु आवश्यक दस्तावेजों के साथ सेवा सेतु के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन प्राप्त होने के बाद संबंधित अधिकारियों द्वारा दस्तावेजों का त्वरित परीक्षण किया गया और पात्रता के आधार पर जाति प्रमाणपत्र जारी कर दिया गया।

# खेतों के बीच पहुंचीं कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा, पीवी ऐप के माध्यम से किए जा रहे सर्वे कार्य का किया अवलोकन

*खेतों के बीच पहुंचीं कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा, पीवी ऐप के माध्यम से किए जा रहे सर्वे कार्य का किया अवलोकन*

**नगर पंचायत पलारी में डिजिटल सर्वेक्षण की परखी जमीनी हकीकत, किसान के खेत में खसरा नंबर 291/6 का किया गया सत्यापन**

**एक सत बुलेटिन ➤ बालोद**

शासन के डिजिटल कृषि सर्वेक्षण को प्रभावी, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने जमीनी स्तर पर पहुंचकर फसल के भौतिक सत्यापन कार्य का जायजा लिया। इस दौरान वे गुरुर विकासखंड के नगर पंचायत पलारी के किसान श्री संतराम साहू, पिता श्री रामू राम साहू के खेत की मेड़ पर अरहर की फसल के बीच से गुजरते हुए पहुंचीं और स्वयं खेत में पीवी ऐप (1.6 वर्जन) के माध्यम से किए जा रहे फसल का भौतिक सत्यापन का अवलोकन किया। उन्होंने किसान के खसरा नंबर 291/6 में दर्ज फसल की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण किया।

कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने खेत में पहुंचकर डिजिटल ऐप के माध्यम से फसल की स्थिति का जायजा लिया। इसका उद्देश्य सर्वेक्षण के दौरान दर्ज की जा रही जानकारी और खेत में मौजूद फसल की वास्तविक स्थिति के बीच समानता सुनिश्चित करना है। डिजिटल तकनीक से फसल संबंधी आंकड़ों की शुद्धता और विश्वसनीयता बढ़ाने में मदद मिलेगी।



### *पलारी में लगभग 120 खसरों का सत्यापन शेष*

उल्लेखनीय है कि ग्राम पलारी में लगभग 120 खसरों का भौतिक सत्यापन कार्य अभी शेष है। सर्वेयर श्री दीपेंद्र कुमार साहू ने बताया कि पीवी ऐप के नए 1.6 वर्जन के माध्यम से अगले दो दिनों के भीतर सभी शेष खसरा नंबरों का सत्यापन कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

### कलेक्टर के निर्देशानुसार सत्यापन कार्य में तेजी

कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में डिजिटल फसल सर्वेक्षण एवं भौतिक सत्यापन कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने पर जोर दिया जा रहा है। कलेक्टर द्वारा स्वयं खेत तक पहुंचकर सत्यापन करना मैदानी कार्यों की गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इससे सर्वेक्षण कार्य में लगे मैदानी अमले को निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप सही एवं वास्तविक जानकारी दर्ज करने में मार्गदर्शन मिलेगा। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर श्रीमती मधुहर्ष, एसडीएम गुरूर श्री शिवनाथ बघेल, तहसीलदार श्री हेमंत पैकरा, नायब तहसीलदार श्री रमेश मण्डावी, राजस्व निरीक्षक श्री छबिल कुमरे सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

**विष्णु देव साय ने आत्मीय स्वागत किया। विष्णु देव साय ने आत्मीय स्वागत किया**

# राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर आत्मीय स्वागत

**एक सत बुलेटिन ➤ बालोद**

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के आज रायपुर आगमन पर स्वामी विवेकानंद विमानतल में राज्यपाल श्री रमेन डेका और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आत्मीय स्वागत किया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रभु श्रीराम के ननिहाल और माता कौशल्या की पावन धरा छत्तीसगढ़ में राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु का समस्त प्रदेशवासियों की ओर से हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐतिहासिक बस्तर दशहरा एवं मुरिया दरबार में राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु की सहभागिता छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का अवसर है। उनकी उपस्थिति से प्रदेश की समृद्ध जनजातीय संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं का मान बढ़ेगा तथा विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को नई ऊर्जा मिलेगी।



# मुख्यमंत्री से राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने की सौजन्य भेंट



**एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर**

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री देवनानी का आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर इंदौर लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री शंकर लालवानी और श्री अमित चिमनानी उपस्थित थे।

# राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु का छत्तीसगढ़ आगमन पर हुआ आत्मीय स्वागत



रायपुर।राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु आज दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास पर रायपुर पहुंची। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने स्वामी विवेकानंद विमानतल पर पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने भी उनका स्वागत किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

# सिरपुर हमारी समृद्ध सभ्यता, कला और ज्ञान परंपरा की अनमोल धरोहर

### विरासत भी, विकास भी' के संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर को मिल रही वैश्विक पहचान

**एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर**

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सिरपुर को यूनेस्को की संभावित सूची में शामिल किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सिरपुर हमारी समृद्ध सभ्यता, कला, आध्यात्मिकता और ज्ञान परंपरा की अनमोल धरोहर है। प्राचीन काल से ही सिरपुर शिक्षा, संस्कृति, धर्म और स्थापत्य कला का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। यहां की ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक विरासत छत्तीसगढ़ के गौरवशाली अतीत और समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा की जीवंत पहचान है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में 'विरासत भी, विकास भी' के संकल्प के साथ देश की सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण, संवर्धन और उन्हें वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में निरंतर कार्य हो रहा है। इसी भावना के अनुरूप छत्तीसगढ़ सरकार भी प्रदेश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए पर्यटन की नई संभावनाओं से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यूनेस्को की संभावित सूची में सिरपुर का शामिल होना हमारी गौरवशाली विरासत को विश्व पटल पर स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे सिरपुर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलने के साथ पर्यटन को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सिरपुर सहित छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक धरोहरों के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि आने वाली पीढ़ियां अपनी गौरवशाली विरासत से परिचित हों और छत्तीसगढ़ की संस्कृति की कीर्ति विश्वभर में और अधिक विस्तारित हो।

**12 नवंबर को होगा मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन, 11 दिसंबर तक लिए जाएंगे दावा-आपत्ति**

# मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण एवं मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण को लेकर राजनीतिक दलों की

**एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही**

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री विजय दयाराम के. की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट के अरपा सभा कक्ष में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 1 जनवरी 2027 की अर्हता तिथि के संदर्भ में फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण एवं मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम एवं 1200 से अधिक मतदाताओं वाले मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण के संबंध में जानकारी दी।




बैठक में बताया गया कि मरवाही विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत डाहीबहरा मतदान केंद्र क्रमांक 1 में मतदाताओं की संख्या 1200 से अधिक है। इस मतदान केंद्र के युक्तियुक्तकरण के संबंध में विचार-विमर्श कर प्रस्ताव मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ को भेजने पर चर्चा की गई।

बैठक में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया गया कि ''मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण का कार्य 2 नवंबर 2026 तक पूर्ण किया जाएगा। फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन 12 नवंबर 2026 को होगा। 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक मतदाता सूची में नाम जोड़ने, विलोपन एवं संशोधन के लिए दावा-आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। प्राप्त दावा-आपत्तियों का निराकरण 28 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा तथा 4 जनवरी 2027 को निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। कलेक्टर ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण कार्य में सहयोग करने तथा पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए जागरूकता बढ़ाने की अपेक्षा की। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री विक्रांत अंचल, भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधि श्री कुबेर सिंह सर्राटी, कांग्रेस पार्टी के श्री पुष्पराज सिंह, जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के श्री रिजवान अंसारी तथा आम आदमी पार्टी के श्री वसीम

### मत्स्य पालन विभाग में अधिकारियों के बीच कार्य विभाजन, तीनों विकासखंडों के लिए जिम्मेदारियां निर्धारित

**एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही**

, 22 अक्टूबर 2026/कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने जिले में मत्स्य पालन विभाग की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, कार्यालयीन कार्यों के सुचारू एवं समयबद्ध निष्पादन तथा प्रशासनिक व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से विभाग में पदस्थ अधिकारियों के मध्य कार्य विभाजन का आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार सहायक मत्स्य अधिकारी श्री शिवपाल सिंह धीमर को विकासखंड मरवाही एवं उसके अंतर्गत आने वाले परिक्षेत्रों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी प्रकार मत्स्य निरीक्षक श्री रूद्र नारायण ध्रुव को विकासखंड गौरेला एवं उसके अंतर्गत आने वाले परिक्षेत्रों तथा मत्स्य निरीक्षक कु. गिरजा लता कंवर को विकासखंड पेंड्रा का कार्यक्षेत्र निर्धारित किया गया है।



## न्यूज इन शॉर्ट

### सेवा सेतु से आसान हुई शासकीय सेवाओं की राह, सहज प्रक्रिया से मिला लाभ, अमर सिंह को मिला जाति प्रमाणपत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आम नागरिकों तक शासकीय सेवाओं को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पहुंचाने में सेवा सेतु महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस पहल से नागरिकों को आवश्यक प्रमाणपत्र प्राप्त करने में सुविधा मिल रही है और उनके समय एवं श्रम की बचत हो रही है। सूरजपुर जिले के विकासखंड रामानुजनगर अंतर्गत ग्राम साल्ही निवासी श्री अमर सिंह ने सेवा सेतु के माध्यम से आवेदन कर आसानी से अपना जाति प्रमाणपत्र प्राप्त किया।

श्री अमर सिंह ने जाति प्रमाणपत्र बनवाने के लिए आवश्यक दस्तावेजों के साथ सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन प्राप्त होने के बाद संबंधित अधिकारियों ने दस्तावेजों का त्वरित परीक्षण किया और पात्रता के आधार पर उनका जाति प्रमाणपत्र जारी कर दिया। इस पूरी प्रक्रिया से उन्हें शासकीय सेवा का लाभ सहजता से प्राप्त हुआ।

श्री अमर सिंह ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि पहले ऐसे कार्यों के लिए कई बार शासकीय कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, जिससे समय और श्रम दोनों खर्च होते थे। लेकिन सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से आवेदन करने पर प्रक्रिया सरल और सुविधाजनक हो गई है। उन्होंने कहा कि कम समय में जाति प्रमाणपत्र प्राप्त होना शासन की संवेदनशीलता और नागरिकों को सुविधाजनक सेवाएं उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उन्होंने इस सुविधा के लिए शासन एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। सेवा सेतु जैसी जनहितकारी पहल से आम नागरिकों को शासकीय सेवाओं का लाभ लेने में सहूलियत मिल रही है। यह पहल सुशासन को जनसामान्य तक पहुंचाने के साथ ही शासन और नागरिकों के बीच विश्वास को मजबूत करने में भी सहायक सिद्ध हो रही है।

### बिना रेरा पंजीयन भूखंडों की बिक्री पर CG-RERA की बड़ी कार्रवाई,

रायपुर। छत्तीसगढ़ में रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और भूखंड एवं आवास खरीदारों के हितों की सुरक्षा के लिए छत्तीसगढ़ भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रमोटरों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में प्राधिकरण ने रायपुर जिले के आरंग स्थित सालासार विहार परियोजना में बिना रेरा पंजीयन के भूखंडों की बिक्री करने के मामले में प्रमोटर श्री राजीव सोनी, पिता श्री के.एल. सोनी, पर 25 लाख रुपये की शास्ति अधिरोपित की है।प्राधिकरण द्वारा प्रकरण में प्रस्तुत दस्तावेजों एवं उपलब्ध तथ्यों के परीक्षण में पाया गया कि सालासार विहार परियोजना के अंतर्गत भूमि का भूखंडों में विभाजन कर रेरा पंजीयन प्राप्त किए बिना भूखंडों का विक्रय किया गया। यह कृत्य भू-संपदा (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016 की धारा 3 के प्रावधानों का उल्लंघन है। प्राधिकरण ने इस उल्लंघन को गंभीरता से लेते हुए अधिनियम की धारा 59 के अंतर्गत परियोजना की अनुमानित लागत के आधार पर प्रमोटर पर 25 लाख रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया है। भू-संपदा (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016 के अंतर्गत निर्धारित श्रेणी की रियल एस्टेट परियोजनाओं का रेरा में पंजीयन कराना अनिवार्य है। ऐसी परियोजनाओं में पंजीयन प्राप्त किए बिना भूखंडों अथवा अन्य संपत्तियों का विज्ञापन, विपणन या विक्रय करना अधिनियम के प्रावधानों के विरुद्ध है। इन प्रावधानों का उद्देश्य संपत्ति खरीदारों को परियोजना की वैधानिक स्थिति, विकास संबंधी जानकारी और अन्य आवश्यक विवरण उपलब्ध कराना तथा उनके हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।प्राधिकरण की यह कार्रवाई स्पष्ट करती है कि रियल एस्टेट परियोजनाओं के विकास और विक्रय में निर्धारित नियमों का पालन आवश्यक है। बिना पंजीयन परियोजनाओं का संचालन करने वाले प्रमोटरों के विरुद्ध अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई की जा सकती है।

#### *भूखंड खरीदने से पहले रेरा पंजीयन की जांच करने की अपील*

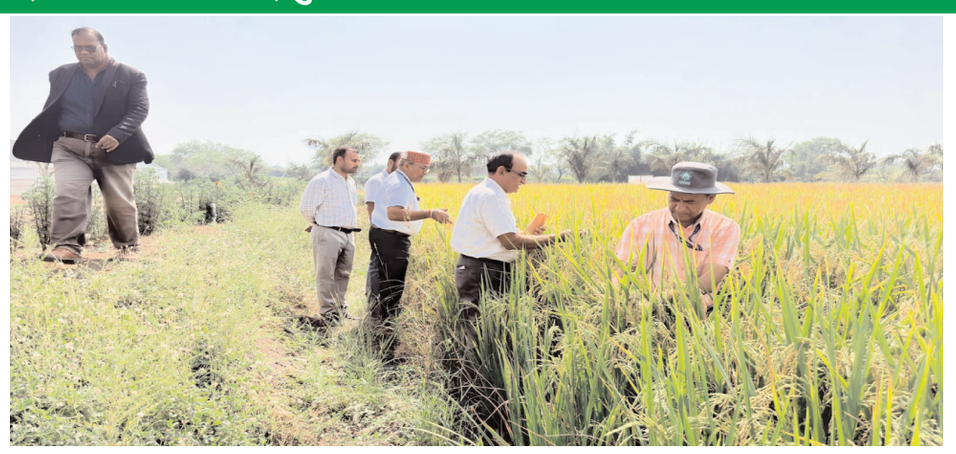
छत्तीसगढ़ भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण ने आम नागरिकों एवं संपत्ति खरीदारों से अपील की है कि किसी भी आवासीय अथवा भूखंड परियोजना में निवेश करने से पहले संबंधित परियोजना की रेरा पंजीयन स्थिति की जांच अवश्य करें। खरीदार परियोजना का पंजीयन क्रमांक, प्रमोटर का विवरण तथा अन्य आवश्यक जानकारियों का सत्यापन करें, ताकि भविष्य में संभावित विवादों एवं आर्थिक नुकसान से बचा जा सके।

# माटी में रोजगार- प्रतिदिन 300 रुपए की मजदूरी से श्रमिक परिवारों को मिला मजबूत आर्थिक आधार, पलायन पर लगी रोक

**डबरी, तालाब, बालिका शौचालय, मुक्तिधाम शेड और सैंड फिल्टर निर्माण ग्रासे बदली गाँवों की सूरत**

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में आजीविका संवर्धन और आधारभूत संरचना के सशक्तिकरण के उद्देश्य से संचालित 'वीबी-जी राम जी योजना' धमतरी जिले के गाँवों की दिशा और दशा बदलने में मील का पत्थर साबित हो रही है। इस योजना के माध्यम से जहाँ एक ओर जल संरक्षण और स्वच्छता जैसे बुनियादी ढाँचों का विस्तार हो रहा है, वहीं दूसरी ओर स्थानीय श्रमिकों को उनके गाँव में ही नियमित आजीविका उपलब्ध कराकर आर्थिक संबल प्रदान किया जा रहा है।



**'वर्षा जल के संचयन और भू-जल पुनर्भरण में अभूतपूर्व सुधार'**

धमतरी जिले के चारों विकासखंडों, धमतरी, कुरुद, मगरलोड और नगरी में योजना के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के निर्माण एवं जीर्णोद्धार कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में जल प्रबंधन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आजीविका डबरी, निजी एवं सामुदायिक तालाबों का निर्माण किया जा रहा है, जिससे वर्षा जल के संचयन और भू-जल पुनर्भरण में अभूतपूर्व सुधार आया है। इसके साथ ही जल स्रोतों में सैंड फिल्टर के निर्माण से ग्रामीणों को स्वच्छ जल प्रबंधन की सुविधा मिल रही है। गाँवों में स्वच्छता और गरिमा को प्राथमिकता देते हुए छात्राओं की सुविधा के लिए बालिका शौचालयों का निर्माण कराया गया है, जबकि जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नालियों की सफाई और गहरीकरण का कार्य निरंतर जारी है। इमें मुक्तिधाम शेड का निर्माण भी किया जा रहा है।

**सेवा सेतु से आसान हुआ विवाह पंजीयन,**

# आवेदन करने के चार दिन में ही नवविवाहित दम्पति को मिला प्रमाण-पत्र

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

विवाह पंजीयन की प्रक्रिया को सेवा सेतु पोर्टल ने सरल और सुविधाजनक बना दिया है। खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई जिले के ग्राम ठाकुरटोला निवासी नवविवाहित युगल दम्पति का विवाह पंजीयन आवेदन करने के महज चार दिन बाद अनुमोदित हो गया। ऑनलाइन आवेदन से प्रमाण-पत्र प्राप्त करने तक की यह प्रक्रिया नागरिक सेवाओं में डिजिटल व्यवस्था की उपयोगिता का उदाहरण है।

नवविवाहित दम्पति श्री गणपत धुर्वे एवं श्रीमती हंसलेखा धुर्वे का विवाह 27 मार्च 2026 को हुआ था। विवाह पंजीयन के लिए उन्होंने 16 अक्टूबर 2026 को लोक सेवा केंद्र के माध्यम से सेवा सेतु पोर्टल पर आवेदन किया। संबंधित विवाह पंजीयक कार्यालय ने 20 अक्टूबर 2026 को आवेदन अनुमोदित कर डिजिटल हस्ताक्षरयुक्त विवाह पंजीयन प्रमाण-पत्र जारी किया।



विवाह पंजीयन प्रमाण-पत्र मिलने से दंपति के पास अब अपने विवाह का आधिकारिक दस्तावेज उपलब्ध है। यह दस्तावेज विवाह संबंधी प्रमाण की आवश्यकता वाली विभिन्न प्रशासनिक प्रक्रियाओं में उपयोगी होगा। आवेदन और अनुमोदन की तिथियों सहित पंजीयन का विवरण भी प्रमाण-पत्र में दर्ज है।सेवा सेतु के माध्यम से नागरिकों को लोक सेवा केंद्र से ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा मिल रही है। श्री गणपत और श्रीमती हंसलेखा का चार दिन में विवाह पंजीयन होना बताता है।

# सिरपुर हमारी समृद्ध सभ्यता, कला और ज्ञान परंपरा की अनमोल धरोहर : मुख्यमंत्री

**यूनेस्को की संभावित सूची में सिरपुर का शामिल होना छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय- मुख्यमंत्री**

**विरासत भी, विकास भी' के संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर को मिल रही वैश्विक पहचान**

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सिरपुर को यूनेस्को की संभावित सूची में शामिल किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सिरपुर हमारी समृद्ध सभ्यता, कला, आध्यात्मिकता और ज्ञान परंपरा की अनमोल धरोहर है। प्राचीन काल से ही सिरपुर शिक्षा, संस्कृति, धर्म और स्थापत्य कला का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। यहां की ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक विरासत छत्तीसगढ़ के गौरवशाली अतीत और समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा की जीवंत पहचान है।



मुख्यमंत्री ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में 'विरासत भी, विकास भी' के संकल्प के साथ देश की सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण, संवर्धन और उन्हें वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में निरंतर कार्य हो रहा है। इसी भावना के अनुरूप छत्तीसगढ़ सरकार भी प्रदेश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए पर्यटन की नई संभावनाओं से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यूनेस्को की संभावित सूची में सिरपुर का शामिल होना हमारी गौरवशाली विरासत को विश्व पटल पर स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे सिरपुर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है।

# नंदनवन जू एवं जंगल सफारी में 25 वर्षीय मादा हिमालयन भालू 'फफोरी' की मौत

**वर्ष 2012 में गुवाहाटी से लाई गई थी फफोरी, पोस्टमार्टम के बाद किया गया अंतिम संस्कार**

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य के नवा रायपुर स्थित नंदनवन जू एवं जंगल सफारी से एक दुखद खबर सामने आई है। यहाँ रह रही 25 वर्षीय मादा हिमालयन भालू 'फफोरी' की 19 अक्टूबर 2026 की मध्यरात्रि में मौत हो गई। सफारी प्रबंधन के अनुसार, उसकी मृत्यु का कारण वृद्धावस्था (बढ़ती उम्र) है।

**'गुवाहाटी से लाई गई थी फफोरी'**

जंगल सफारी प्रबंधन से मिली जानकारी के मुताबिक, फफोरी को वर्ष 2012 में वन्यप्राणी आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत असम राज्य के चिड़ियाघर, गुवाहाटी से 12 वर्ष की उम्र में रायपुर लाया गया था, तब से वह यहीं रह रही थी।

नंदनवन जू के हिमालयन भालू बाड़े में फफोरी की मृत्यु के पश्चात वन्यप्राणी चिकित्साधिकारी द्वारा नियमानुसार उसका पोस्टमार्टम किया गया। इसके बाद सफारी प्रबंधन और वन्यजीवों की देखभाल से जुड़े कर्मचारियों की उपस्थिति में उसे श्रद्धांजलि अर्पित कर विधिवत अंतिम संस्कार किया गया।



इस दौरान नंदनवन जू एवं जंगल सफारी के संचालक सह-वनमंडलाधिकारी श्री पंकज राजपूत, सहायक संचालक सहित वन विभाग के तमाम अधिकारी-कर्मचारी, पशुपालक और सुरक्षा कर्मचारी मौजूद रहे। फफोरी के निधन पर जंगल सफारी प्रबंधन और उसकी देखरेख करने वाले कर्मचारियों ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। नंदनवन जू एवं जंगल सफारी प्रबंधन का कहना है कि वे वन्यजीवों की नियमित देखभाल, स्वास्थ्य निगरानी और उनके संरक्षण के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं।

# स्वच्छ भारत मिशन से बदली जिंदगी, घर में शौचालय बनने से ओमप्रकाश को मिली बड़ी राहत

**स्वच्छ भारत मिशन से बदली जिंदगी, घर में शौचालय बनने से ओमप्रकाश को मिली बड़ी राहत**

**बरसात में होने वाली परेशानियों से मिली मुक्ति, शासन के प्रति जताया आभार**

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण ग्रामीण परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने और स्वच्छता को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता सुविधाओं का विस्तार करना तथा लोगों को स्वच्छ एवं स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। इसी कड़ी में मुंगेली जिले के ग्राम लालसायकापा निवासी श्री ओमप्रकाश बंजारा को शौचालय निर्माण से राहत और सुविधा मिली है। शासन से शौचालय निर्माण के लिए 12 हजार रुपये की सहायता राशि मिलने पर उन्होंने अपने घर में शौचालय का निर्माण कराया।

श्री बंजारा ने बताया कि पहले घर में शौचालय नहीं होने के कारण उन्हें शौच के लिए घर से दूर जाना पड़ता था। विशेषकर बरसात के दिनों में यह परेशानी और बढ़ जाती थी। खराब मौसम के दौरान असुविधा का सामना करना पड़ता था। घर में शौचालय बन जाने से अब उन्हें इस समस्या से राहत मिली है और दैनिक जीवन पहले की तुलना में अधिक सुविधाजनक हुआ है। उन्होंने कहा कि शासन की योजना से मिली आर्थिक सहायता उनके लिए काफी उपयोगी साबित हुई। घर में शौचालय की सुविधा उपलब्ध होने से उन्हें राहत मिली है। इसके लिए उन्होंने शासन के प्रति आभार व्यक्त किया।




**महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने बिलासपुर स्टेशन पर यात्रियों से किया संवाद**

# दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के 216 रेलवे स्टेशनों पर आयोजित हुआ 'रेल जनसंवाद', अधिकारियों ने यात्रियों से सीधे प्राप्त किए

एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर

यात्रियों की समस्याओं को सुनने, उनकी अपेक्षाओं एवं सुझावों को समझने तथा रेल सेवाओं और यात्री सुविधाओं में निरंतर सुधार लाने के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के तीनों रेल मंडलो बिलासपुर, रायपुर एवं नागपुर मंडल के 216 रेलवे स्टेशनों पर आज दिनांक 22 अक्टूबर 2026 को विशेष अभियान 6.0 के अंतर्गत 'पैन इंडिया रेल जनसंवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पहल के माध्यम से रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों, युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों एवं आमजन से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं, सुझावों और अपेक्षाओं की जानकारी प्राप्त की।

**बिलासपुर स्टेशन पर महाप्रबंधक ने यात्रियों से किया संवाद**



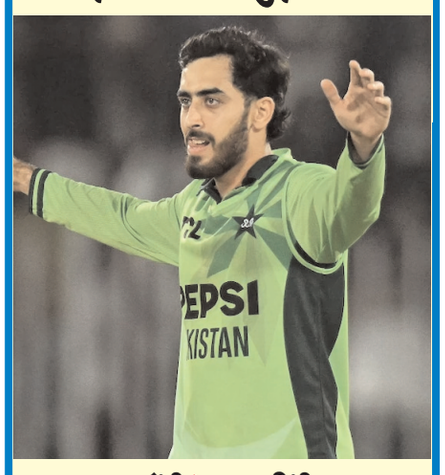
बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने यात्रियों से सीधे संवाद कर स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था, सुरक्षा, पेयजल, प्रतीक्षालय तथा अन्य यात्री सेवाओं के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया। उन्होंने यात्रियों के सुझावों एवं समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा यात्री सुविधाओं में निरंतर सुधार के महत्व पर जोर दिया।

महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने कहा कि यात्रियों, रेलकर्मियों एवं मीडिया से प्राप्त रचनात्मक सुझाव रेलवे की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। 'रेल जनसंवाद' जैसी पहल रेलवे प्रशासन और आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने के साथ रेल सेवाओं को अधिक सुविधाजनक, प्रभावी एवं यात्री-केंद्रित बनाने में सहायक है।चांपा स्टेशन पर अपर महाप्रबंधक श्री विजय कुमार साहू तथा उसलापुर स्टेशन पर मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन ने किया जनसंवाद चांपा रेलवे स्टेशन पर अपर महाप्रबंधक श्री विजय कुमार साहू तथा उसलापुर रेलवे स्टेशन पर मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन ने यात्रियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं, सुझावों एवं फीडबैक की जानकारी ली। इस दौरान यात्रियों की सुविधा, स्टेशन परिसर की स्वच्छता, उपलब्ध सुविधाओं की गुणवत्ता तथा रेल सेवाओं में सुधार से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई।

**दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के 216 स्टेशनों पर यात्रियों से लिया गया फीडबैक**

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के 216 रेलवे स्टेशनों पर भी नामित अधिकारियों की उपस्थिति में 'रेल जनसंवाद' कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों बात सीधे रेलवे प्रशासन तक पहुंचाने का अवसर मिला।

## पाक को मिला नया मैच विनर, इंग्लिश टीम हुई पस्त



एजेंसी ➤ रावलपिंडी

पाकिस्तान के 21 वर्षीय ऑलराउंडर अराफात मिन्हास ने अपने प्रदर्शन से इंग्लैंड की टीम को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। ओडीआई ट्राई सीरीज के मुकाबले में उन्होंने पहले बल्ले से 59 रन बनाए और फिर गेंदबाजी में छह विकेट झटककर पाकिस्तान को 87 रनों से जीत दिलाई। 20 अक्टूबर (मंगलवार) को रावलपिंडी के रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित मुकाबले में पाकिस्तान ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 302 रन बनाए थे, जिसके जवाब में इंग्लैंड की पारी 215 रनों पर सिमट गई। टूर्नामेंट में पाकिस्तान की यह दूसरी जीत है।

303 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मेहमान टीम इंग्लैंड ने तेज शुरुआत की। टॉम बैंटन और बेन डकेट ने पहले विकेट के लिए 91 रन जोड़कर पाकिस्तान को दबाव में डाल दिया। हारिस रऊफ ने डकेट को 45 रनों के निजी स्कोर पर आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। बैंटन ने 53 गेंदों पर 57 रन बनाए और उन्हें अराफात मिन्हास ने पवेलियन भेज दिया।

इसके बाद अराफात मिन्हास ने इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक को भी पांच रनों के निजी स्कोर पर आउट कर दिया। जो रूट और सैम करन ने पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन नसीम शाह ने रूट को 33 रनों के निजी स्कोर पर बोल्ड कर दिया। फिर हारिस रऊफ ने करन (27 रन) को आउट किया और इंग्लैंड की मुश्किलें बढ़ा दीं।

अराफात मिन्हास ने इसके बाद जॉर्डन कॉक्स और जेमी ओवर्टन को अपना शिकार बनाया। मिन्हास यहीं नहीं रुके। उन्होंने विल जैक्स और आदिल राशिद को लगातार गेंदों पर आउट कर सिक्स विकेट हॉल कम्पलीट किया। मिन्हास ने वनडे इंटरनेशनल में दूसरी बारी पारी में पांच या उससे ज्यादा विकेट झटके हैं। गस एटकिंसन के रन आउट होते ही इंग्लैंड की इनिंग्स 38।4 ओवर में खत्म हो गई। मिन्हास ने 8।4 ओवर में 40 रन देकर छह विकेट लिए।

## मैच के बाद इंटरव्यू में भावुक हुईं हरमनप्रीत कौर




**भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज व पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मंगलवार (20 अक्टूबर) को जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे टी-20 मुकाबले में शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने 41 गेंदों में नॉटआउट 91 रन बनाकर अपनी फॉर्म में वापसी के संकेत दिए, लेकिन पारी के बाद इनिंग्स ब्रेक के दौरान लाइव इंटरव्यू में वह भावुक हो गईं और उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े।**

## गिल की फास्टेस्ट डबल सेंचुरी का रिकॉर्ड महीनेभर में टूटा



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

रावलपिंडी ।श्रीलंका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। इंग्लैंड ने 429/4 का स्कोर खड़ा किया। बूक के अलावा विल जैक्स ने 30 गेंदों पर नाबाद 66 रन बनाए। पारी में 8 चौके और 3 छक्के लगाए। उनका स्ट्राइक रेट 220 का रहा। जवाब में श्रीलंका ने 49.5 ओवर में 8 विकेट पर 430 रन बनाकर जीत हासिल कर ली। यह वनडे क्रिकेट का दूसरा सबसे बड़ा रनचेज भी है। पवन रत्नायके ने शतक लगाया। अविष्का फर्नांडो और दसुन शनाका ने 97-97 रन बनाए। जनिथ लियानगे ने आखिरी ओवर में छक्का लगाकर जीत दिला दी। वे 27 बॉल पर 61 रन बनाकर नाबाद रहे।

### इंग्लैंड के खिलाफ 430 रन बनाए, लियानागे ने छक्का लगाकर जीत दिलाई

## श्रीलंका का वनडे में दूसरा सबसे बड़ा रनचेज

एजेंसी ➤ रावलपिंडी

श्रीलंका ने वनडे ट्राई सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ 429 रन चेज कर दिए। यह वनडे क्रिकेट का दूसरा सबसे बड़ा रनचेज है। ट्राई सीरीज में तीसरी टीम मेजबान पाकिस्तान है।रावलपिंडी में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 4 विकेट पर 429 रन बनाए। कप्तान हैरी ब्रूक ने 116 गेंद पर 202 रन बनाए। उन्होंने वनडे का सबसे तेज दोहरा शतक लगाया।जवाब में श्रीलंका ने 49.5 ओवर में 8 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। पवन रत्नायके ने 106 गेंद पर 130 रन बनाए। दासुन शनाका और असिथा फर्नांडो ने भी 97-97 रन की पारी खेली। वहीं जनिथ लियानागे 27 गेंद पर 61 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई।




तीसरी गेंद-मलिंगा भी बोल्ड हो गए। टंग ने लगातार दूसरी गेंद पर विकेट लिया। लियानागे अब भी नॉन-स्ट्राइक पर थे और श्रीलंका को बनाने थे- 3 गेंद पर 7 रन।चौथी गेंद-असिथा फर्नांडो ने थर्ड मैन की ओर शॉट खेलकर 1 रन लिया। अब लियानागे स्ट्राइक पर लौटे। श्रीलंका को 2 गेंद पर 6 रन चाहिए थे।पांचवीं गेंद-लियानागे ने लॉन्ग-ऑफ के ऊपर से छक्का लगाया और श्रीलंका को मिली एक ऐतिहासिक जीत।श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 24 रन तक 2 विकेट गंवा दिए। कामिंदु मेंडिस 18 रन बनाकर आउट हुए, जबकि कप्तान कुसल मेंडिस खाता नहीं खोल सके।

इसके बाद अविष्का फर्नांडो और पवन रत्नायके ने पारी संभाली। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 137 गेंद पर 166 रन जोड़े। फर्नांडो 83 गेंद पर 97 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 11 चौके और 2 छक्के लगाए।

## व्यापार

## मारुति की कारें अगस्त से 30,000 तक महंगी हो जाएंगी

### 2 महीने में दूसरी बार कीमतें बढ़ाईं, कंपनी बोली- इनपुट कॉस्ट बढ़ने से फैसला लिया

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी पैसेंजर वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने अपने सभी मॉडल्स की कीमतों में बढ़ोत्तरी का ऐलान किया है। कंपनी अपनी कारों के दाम 30,000 रुपए तक बढ़ाएगी। नई कीमतें अगस्त 2026 से लागू होंगी। कंपनी ने 21 जुलाई, मंगलवार को शेयर बाजारों को भेजी जानकारी यानी रेगुलेटरी फाइलिंग में यह जानकारी दी है। अलग-अलग मॉडल और वैरिएंट के हिसाब से अलग-अलग दाम बढ़ाए जाएंगे।

कंपनी बोली- इनपुट कॉस्ट बढ़ने से लेना पड़ा फैसला

कंपनी ने बताया कि लगातार बढ़ रही इनपुट कॉस्ट यानी लागत बढ़ने की वजह से यह फैसला लेना पड़ा है। पिछले कुछ महीनों में कंपनी ने अपने स्तर पर लागत घटाने की कोशिश की, ताकि ग्राहकों पर सीधा असर न पड़े। हालांकि, महंगाई दर ऊंची रहने और कारोबारी माहौल अनुकूल न होने की वजह से



बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डालना मजबूरी हो गया है।

### 2 महीने में दूसरी बार बढ़ेंगे दाम

इस साल मारुति सुजुकी की तरफ से यह पहली बढ़ोत्तरी नहीं है। इससे पहले कंपनी ने जून 2026 में भी अपने सभी मॉडल्स की कीमतों में 30,000 रुपए तक का इजाफा किया था। उस बढ़ोत्तरी का ऐलान 21 मई 2026 को किया गया था। उस समय भी कंपनी ने इनपुट कॉस्ट में बढ़ोतरी और महंगाई के दबाव को ही मुख्य वजह बताया था। अगस्त से लागू होने वाला नया संशोधन जून में हुई बढ़ोतरी के ऊपर अतिरिक्त इजाफा होगा।

3.50 लाख से ?25 लाख तक के वाहन बेचती है कंपनी मारुति सुजुकी भारतीय बाजार में एंट्री-लेवल हैचबैक से लेकर प्रीमियम सेगमेंट की गाड़ियां बेचती है। इनमें एंट्री-लेवल मॉडल स-क्रूद्दह्यह्यश्र से लेकर प्रीमियम स्क्कह्लह्लह्ल




# भागवत को 'रावण' का डर!

*'विजयादशमी' पर्व पर रावण, मेघनाद, कुंभकर्ण के पुतले इस बार भी जलाए गए। खुशफहमी पाल ली गई कि यह अधर्म पर धर्म, बुराई पर अच्छाई, असत्य पर सत्य, अहंकार पर मर्यादा की जीत है, लेकिन रावण तो हर साल जिंदा हो उठता है। आज भी जिंदा, हमारे बीच है। क्या रावण अजेय, अमर है? उसका दहन नहीं किया जा सकता! दुनिया भर में अशांति, उपद्रव, दंगे, युद्ध, मारकाट, आगजनी और अंतत- विध्वंस का 'रावण' वाकई जिंदा है! जिस यूरोप को अपनी सभ्यता, संस्कृति, सम्पन्नता पर गुरूर होता था, आज उसी के देशों-फ्रांस, अल्बानिया, स्पेन, इटली, बेल्जियम-में जंग और लूटपाट के हालात हैं। अल्बानिया में सुप्रीम कोर्ट को ही आग की लपटों के हवाले कर दिया गया। वे दंगई, हिंसाई 'रावण' नहीं, तो कौन हैं? बेशक आरोप थे कि कोर्ट कथित भ्रष्ट प्रधानमंत्री की मदद कर रही थी। बेशक यह 'रावणत्व' भारत के लिए भी चेतावनी है, लेकिन हमारी सर्वोच्च अदालत पर ऐसा कोई धब्बा नहीं है। हालांकि सात दशकों के स्वतंत्र भारत में मजदूरों, किसानों, शिक्षकों, आदिवासियों आदि ने अनगिनत आंदोलन किए हैं। भ्रष्टाचार के खिलाफ, 'नर्मदा बचाओ' पर, जल-संकट को लेकर भी आंदोलन किए गए हैं। लोकतंत्र में आंदोलन अनिवार्य और अपरिहार्य हैं, लेकिन आज तक किसी स्थानीय, जिला अदालत को भी आग के हवाले करने का 'रावणत्व' सामने नहीं आया है। सरसंघचालक मोहन भागवत ने 'दशहरा' पर अपने परंपरागत उद्बोधन में इसी 'रावण' का मुद्दा उठाया है और साफ कहा है कि आसुरी ताकतें भारत का भी विखंडन चाहती हैं। भारतीयता को नष्ट करने की कोशिशें भी जारी हैं। दरअसल वे ताकतें भारत का प्रभुत्व, विकास, उभार देखना ही नहीं चाहतीं। कौन हैं वे आसुरी ताकतें? न तो सरसंघचालक ने नामों का खुलासा किया है और न ही सरकार बताना चाहती है। सरकार और उसके पैरोकार 'भेड़िया आया' ही चिल्लाते रहते हैं।*

## विचार

# हम चाहें 'कुछ और'

स्पिरिचुअल हीलर

लेकरव

हाल ही में प्रकाशित मेरी पुस्तक 'सरस गीता' में श्रीमद्भगवद्गीता के सभी अट्ठारह अध्यायों के पूरे 700 श्लोकों का सरल हिंदी में काव्य रूप में अनुवाद किया है ताकि श्रीमद्भगवद्गीता उनके लिए भी सुलभ हो जाए जो संस्कृत नहीं जानते, पर गीता को पढना चाहते हैं, गीता को गाना चाहते हैं, गीता के उपदेशों को गहराई से समझना चाहते हैं और उन्हें जीवन में उतारना चाहते हैं। श्रीमद्भगवद्गीता में सत्व, रज और तमस गुणों के बारे में भगवान श्री कृष्ण ने विस्तार से बताया है। संक्षेप में कहूं तो भगवान श्री कृष्ण कहते हैं कि सात्विक गुण वाला व्यक्ति हर हाल में संतुष्ट रहता है, मान-अपमान से परेशान नहीं होता ।

जब हम खुद को बेहतर बनाने के बजाय दूसरे लोगों से तुलना या स्पर्धा करने लगते हैं तो मन में ईर्ष्या का जन्म होता है जो हमें हमेशा बेचैन बनाकर रखता है। यह बेचैनी अक्सर हमारी नींद उड़ा देती है, हम दिन-रात काम में उलझे रहते हैं। इस तरह न केवल हम अपनी सेहत का नुकसान करते हैं बल्कि पारिवारिक जिम्मेदारियों की उपेक्षा करके अपने रिश्ते भी खराब कर लेते हैं। दुनिया के चौथे सबसे बड़े अमीर बिल गेट्स और मेलिंडा गेट्स का अलगाव इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। पैसा इतना कि अगली पचास पीढ़ियों के भी खानपान का इंतजाम हो गया और शांति का अभाव इतना कि अपनी धर्मपत्नी से ही न बन सकी। हम समझ नहीं पा रहे हैं कि धन और सुविधा की तुलना में जीवन, स्वास्थ्य और परिवार कितने उपेक्षित हैं। परिवार की उपेक्षा के बहुत से नुकसान हैंकिसी ने सत्य ही कहा है कि हमें अगर जीवन में कभी अनचाहे और कडुवे अनुभव हों तो हमारे पास हमेशा दो विकल्प होते हैं। पहला विकल्प तो यह है कि हम उस अनुभव से सीखें, दोबारा वैसी गलती न करें या सामने वाले को वैसी गलती करने का अवसर न दें, छूट न दें, और उस सीख को जीवन में उतार कर हमेशा के लिए बुद्धिमान बन जाएं। यह थोड़ा मेहनत वाला काम है, थोड़ा जागरूकता वाला काम है, थोड़ा संयम वाला काम है, इसलिए थोड़ा कठिन भी है। दूसरा विकल्प यह है कि हम ऐसा अनुभव करें कि हमें किसी ने सताया, किसी ने हमारे साथ गलत कर दिया, या हमसे ही कोई मूर्खता हो गई और हमारे मन को ठेस पहुंचे, हम आहत महसूस करें और दुखी हो जाएं। यह बहुत आसान है क्योंकि इसमें कुछ भी करना नहीं पड़ता, बस हम दुखी हो जाते हैं, परेशान हो जाते हैं और ऐसा महसूस करते हैं कि हमारे साथ बहुत बड़ा अन्याय हो गया है या कि हमने बहुत बड़ी भूल कर दी है। ऐसा सोचा और दुखी होते रहे और कहानी खत्म। श्रीमद्भगवद्गीता में



भगवान श्री कृष्ण ने अपने दिव्य वचनों से इसका कारण और निवारण, दोनों का वर्णन किया है। हाल ही में प्रकाशित मेरी पुस्तक 'सरस गीता' में श्रीमद्भगवद्गीता के सभी अट्ठारह अध्यायों के पूरे 700 श्लोकों का सरल हिंदी में काव्य रूप में अनुवाद किया है ताकि श्रीमद्भगवद्गीता उनके लिए भी सुलभ हो जाए जो संस्कृत नहीं जानते, पर गीता को पढना चाहते हैं, गीता को गाना चाहते हैं, गीता के उपदेशों को गहराई से समझना चाहते हैं और उन्हें जीवन में उतारना चाहते हैं। श्रीमद्भगवद्गीता में सत्व, रज और तमस गुणों के बारे में भगवान श्री कृष्ण ने विस्तार से बताया है। संक्षेप में कहूं तो भगवान श्री कृष्ण कहते हैं कि सात्विक गुण वाला व्यक्ति हर हाल में संतुष्ट रहता है, मान-अपमान से परेशान नहीं होता और उसकी जीवनचर्या शुद्ध होती है। इसके विपरीत जिस व्यक्ति में रजस गुण की प्रधानता हो, वह स्फूर्तिवान होता है, उत्साह से भरपूर होता है और नए-नए काम करके हर रोज नए मैदान मार लेना चाहता है। उसकी सोच हमेशा ऐसी होती है कि आज मैंने यह कर लिया, कल यह करूंगा, आज यह पा लिया, कल वह भी पा लूंगा, आज मैंने यह जीत लिया, कल वह भी जीत लूंगा, आज मैंने इस शत्रु को हरा दिया, कल उसे भी हरा दूंगा, आदि-आदि। ऐसा व्यक्ति जीवन में दौड़ता ही रहता है, संतुष्ट नहीं होता और उपलब्धियों, समृद्धि और सम्मान के पीछे भागता ही रहता है, चैन से बैठ नहीं पाता। तामसिक गुण वाला व्यक्ति आलसी होता है, दूसरों की दया पर जीना चाहता है या छल-कपट से जीवन जीता है। इस व्याख्या पर मनन करते हुए मेरे आज तक के पूरे जीवन की झलक मानो एक फिल्म की तरह मेरी आंखों के सामने घूम गई।ण का शिकार रहा हूं। तब मुझे यह उक्ति याद हो आई जिसमें कहा गया है ।

## विचार

# मधुमेह का बढ़ता संकट, चिंताजनक आंकड़े

डा. वरिंद्र भाटिया

लेखक

लेकिन मधुमेह एक ऐसी खामोश चुनौती है जो बिना किसी स्पष्ट चेतावनी के शरीर को भीतर से कमजोर करती है। व्यक्ति सामान्य जीवन जीता रहता है, उसे कोई खास परेशानी महसूस नहीं होती, लेकिन रक्त में बढ़ी हुई शर्करा धीरे-धीरे हृदय, किडनी, आंखों और नसों को नुकसान पहुंचाती रहती है। यही कारण है कि मधुमेह को हल्के में लेना भविष्य के स्वास्थ्य के साथ गंभीर लापरवाही है। इस खामोश खतरे का आकार आंकड़ों में और भी चिंताजनक दिखाई देता है। इंटरनेशनल डायबिटीज फेडरेशन (आईडीएफ) के 11वें डायबिटीज एटलस के अनुसार, वर्ष 2024 में विश्वभर में 20 से 79 वर्ष की आयु के लगभग 58.9 करोड़ वयस्क मधुमेह से पीड़ित थे। यह इस आयु वर्ग की आबादी का लगभग 11.1 प्रतिशत है, अर्थात हर नौ वयस्कों में करीब एक व्यक्ति मधुमेह के साथ जीवन जी रहा था। इनमें लगभग 25.2 करोड़ लोगों को अपनी बीमारी का पता ही नहीं था।

अनुज आचार्यशुगर (मधुमेह या डायबिटीज) का पूरी तरह से स्थायी इलाज संभव नहीं है, लेकिन मधुमेह से घबराने की नहीं बल्कि उसे गंभीरता से समझने की जरूरत है। सवाल केवल यह नहीं कि आज हमारी शुगर कितनी है, अपितु यह है कि आने वाले वर्षों में हम अपने हृदय, किडनी, आंखों और नसों को कितना सुरक्षित रख पाएंगेजमारी जब दस्तक देती है तो अक्सर शरीर संकेत देने लगता है, लेकिन मधुमेह एक ऐसी खामोश चुनौती है जो बिना किसी स्पष्ट चेतावनी के शरीर को भीतर से कमजोर करती है। व्यक्ति सामान्य जीवन जीता रहता है, उसे कोई खास परेशानी महसूस नहीं होती, लेकिन रक्त में बढ़ी हुई शर्करा धीरे-धीरे हृदय, किडनी, आंखों और नसों को नुकसान पहुंचाती रहती है। यही कारण है कि मधुमेह को हल्के में लेना भविष्य के स्वास्थ्य के साथ गंभीर लापरवाही है। इस खामोश खतरे का आकार आंकड़ों में और भी चिंताजनक दिखाई देता है। इंटरनेशनल डायबिटीज फेडरेशन (आईडीएफ) के 11वें डायबिटीज एटलस के अनुसार, वर्ष 2024 में विश्वभर में 20 से 79 वर्ष की आयु के लगभग 58.9 करोड़ वयस्क मधुमेह से पीड़ित थे। यह इस आयु वर्ग की आबादी का लगभग 11.1 प्रतिशत है, अर्थात हर नौ वयस्कों में करीब एक व्यक्ति मधुमेह के साथ जीवन जी रहा था। इनमें लगभग 25.2 करोड़ लोगों को अपनी बीमारी का पता ही नहीं था।वर्ष 2050 तक विश्व में मधुमेह पीड़ितों की संख्या बढ़कर लगभग 85.3 करोड़ होने का अनुमान है। भारत की स्थिति भी कम गंभीर नहीं है। वर्ष 2024 में देश के लगभग 8.98 करोड़ वयस्क मधुमेह से पीड़ित थे, जो इसी आयु वर्ग की आबादी का लगभग 10.5 प्रतिशत है। इनमें करीब 42.7 प्रतिशत लोगों को अपनी बीमारी का पता नहीं था। आईडीएफ के अनुमान के अनुसार वर्ष 2050 तक भारत में मधुमेह पीड़ितों की संख्या लगभग 15.67 करोड़ पहुंच सकती है। ये आंकड़े बताते हैं कि मधुमेह अब किसी एक परिवार या क्षेत्र की समस्या नहीं, बल्कि तेजी से बढ़ती वैश्विक स्वास्थ्य चुनौती है। हिमाचल प्रदेश भी इस चुनौती से अछूता नहीं है। हिमाचल प्रदेश में वर्ष 2026 के हालिया स्वास्थ्य आंकड़ों (आईसीएमआर और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के आकलन) के अनुसार, राज्य में मधुमेह (डायबिटीज) का प्रसार एक गंभीर 'महा बीमारी' (माइक्रो एपिडेमिक) का रूप ले चुका है, क्योंकि यह विश्व स्वास्थ्य संगठन के 10 फीसदी के मानक को पार




कर चुका है। राज्य में 13.5 प्रतिशत से 14.5 प्रतिशत आबादी मधुमेह से ग्रसित है, जबकि 17 से 18.7 फीसदी आबादी प्री-डायबिटीज (डायबिटीज की पहली स्टेज) की श्रेणी में है। इसका मतलब है कि राज्य के लगभग 29 से 32 प्रतिशत नागरिकों में ब्लड शुगर का स्तर असामान्य है, जो कि 11.4 फीसदी के राष्ट्रीय औसत से काफी अधिक है। यह भविष्य में बीमारी का जोखिम बढने का संकेत है। इन आंकड़ों का संदेश स्पष्ट है कि पहाड़ी परिवेश, स्वच्छ हवा और प्राकृतिक सुंदरता अपने आप मधुमेह से सुरक्षा की गारंटी नहीं देते। जिला कांगड़ा पोषण प्रोफाइल रिपोर्ट में वर्ष 2020 के लिए 15 से 49 वर्ष की आयु की महिलाओं में मधुमेह से संबंधित अनुमानित संख्या 75418 दर्ज की गई थी। मधुमेह को केवल रक्त में शुगर बढने की समस्या समझना गंभीर भूल है। लंबे समय तक अनियंत्रित रक्त ग्लूकोज रक्त वाहिकाओं और नसों को नुकसान पहुंचा सकता है। इससे हृदय रोग, हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम बढ़ता है। किडनी की कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है, जबकि आंखों की रेटिना को नुकसान पहुंचने से दृष्टि कमजोर पड़ सकती है। पैरों में जलन, झुनझुनी, सुन्नपन या छोटे घाव को नजरअंदाज करना भी खतरनाक हो सकता है।इसलिए मधुमेह के मरीजों के लिए केवल शुगर की जांच पर्याप्त नहीं, रक्तचाप, कोलेस्ट्रॉल, किडनी, आंखों और पैरों की नियमित निगरानी भी जरूरी है। बचाव का रास्ता कठिन नहीं, लेकिन अनुशासन मांगता है। पारंपरिक हिमाचली भोजन छोडने के बजाय उसकी मात्रा और गुणवत्ता पर ध्यान देना चाहिए। दालें, मौसमी सब्जियां, साबुत अनाज और फाइबरयुक्त भोजन अपनाएं तथा अत्यधिक चीनी, मीठे पेय और अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन सीमित करें। नियमित पैदल चलना, अपनी क्षमता के अनुरूप व्यायाम, उचित वजन और पर्याप्त नींद स्वस्थ जीवनशैली के महत्वपूर्ण आधार हैं। मधुमेह की पहचान होने पर एचबीए1सी जांच पिछले लगभग दो से तीन महीनों के औसत रक्त ग्लूकोज का आकलन करने में मदद करती है। बेहतर रिपोर्ट आने पर भी दवा स्वयं बंद नहीं करनी चाहिए। उपचार चिकित्सकीय सलाह के अनुसार ही होना चाहिए। दूरदराज के गांवों में समय पर जांच और उपचार तक पहुंच आसान बनाना भी स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता होनी चाहिए। केंद्र और हिमाचल प्रदेश सरकारें मधुमेह की रोकथाम एवं उपचार के लिए राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम एनपी-एनसीडीए आयुष्मान आरोग्य मंदिर, आयुष्मान भारत = प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना पीएम-जेएवाई, हिमकेयर योजना, मुख्यमंत्री निशुल्क दवा योजना तथा सहारा योजना के माध्यम से जांच, उपचार, दवाओं और आर्थिक सहायता की सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास कर रही हैं, जबकि हिमाचल में लिए मुफ्त इंसुलिन पंप की पहल भी आशा की किरण है।

(एक नजर)

## शरद पूर्णिमा 25 या 26 अक्टूबर को?

शरद पूर्णिमा की रात को हिंदू धर्म में बेहद खास माना जाता है. मान्यता है कि इस रात चंद्रमा अपनी सभी 16 कलाओं से परिपूर्ण होता है और उसकी चांदनी से अमृत की वर्षा होती है. यही वजह है कि शरद पूर्णिमा पर चंद्रमा की पूजा करने और रात में चांदनी के नीचे खीर रखने की परंपरा सदियों से चली आ रही है. इस दिन कई घरों में मां लक्ष्मी की पूजा भी की जाती है. साल 2026 में शरद पूर्णिमा की तारीख को लेकर लोगों के मन में सवाल है कि यह पर्व 25 अक्टूबर को मनाया जाएगा या 26 अक्टूबर को. अगर आप भी इस दिन पूजा-पाठ, व्रत और खीर रखने की तैयारी कर रहे हैं, तो जान लें शरद पूर्णिमा की सही तारीख, चंद्रोदय का समय, चंद्रमा को अर्घ्य देने की विधि और पूजा से जुड़ी जरूरी बातें. हिंदू पंचांग के अनुसार, आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि में शरद पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है. इस साल पूर्णिमा तिथि 25 अक्टूबर 2026 को सुबह 11 बजकर 55 मिनट पर शुरू होकर 26 अक्टूबर को सुबह 9 बजकर 41 मिनट पर समाप्त होगी. शरद पूर्णिमा की रात 25 अक्टूबर को पड़ रही है, इसलिए चंद्रमा की पूजा और खीर रखने की परंपरा इसी रात निभाई जाएगी. पूर्णिमा तिथि के दौरान स्नान, दान और पूजा-पाठ का भी विशेष महत्व माना जाता है।

## विचार

# चुनौतियों के बावजूद बढ़ती हिंदी

- उमेश चतुर्वेदी

लेखक

संविधान सभा की आखिरी बैठक के दिन सभा के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने खुलेतौर पर स्वीकार किया था कि भाषा की समस्या का ठोस हल सभा नहीं निकाल पायी है। फिर भी उन्हें उम्मीद थी कि आने वाले दिनों में भाषा के मुद्दे पर देश गांधी की तरह सोचेगा। हालांकि महावीर प्रसाद त्यागी को ऐसी उम्मीद नहीं थी।बांग्ला संस्कृति का मूल स्वर सहिष्णुता, उदारता और समन्वय का रहा है। उन्नीसवीं सदी में बंगाल की धरती ने नवजागरण का स्वागत किया, जिसके मूल में ईश्वरचंद्र विद्यासागर और स्वामी विवेकानंद के विचार रहे। इस समन्वय की संस्कृति का ही असर रहा कि बंगाल की ही धरती से ना सिर्फ हिंदी पत्रकारिता का उद्भव हुआ, बल्कि उसकी जड़ें मजबूत भी हुईं। लेकिन वही बंगाल बदल गया है। बांग्ला संस्कृति समन्वय के सूत्रों को कहीं पीछे छोड़ती नजर आने लगी है। अगर ऐसा नहीं होता तो कोलकाता नगर निगम के उस पोस्टर पर विवाद नहीं होता, जिसमें बांग्ला और हिंदी भाषा के शब्दों का अनूठा और कलात्मक संगम था। बांग्ला संस्कृति के प्रतीक पर्व दुर्गा पूजा के दौर में भाषायी सौंदर्य और कला के अनूठे मेल पर राजनीति ने जब सवाल उठाया तो कोलकाता नगर निगम ने अपना पोस्टर ही वापस ले लिया। शायद




निगम ने सोचा होगा कि उत्साह और उल्लास का स्वाद राजनीतिक कंकड़ से खराब ना हो।जिस पोस्टर पर विवाद हुआ, उसके बारे में जानना जरूरी है। यह भी जानना जरूरी है कि आखिर उसमें क्या रहा, जिससे पश्चिम बंगाल का विपक्षी दल तृणमूल कांग्रेस परेशान हो गया। दरअसल दुर्गा पूजा के दौरान दस से 21 अक्टूबर तक कोलकाता नगर निगम ने देश की पूर्व राजधानी वाले शहर में चलाए जा रहे सफाई अभियान के लिए एक विशेष पोस्टर जारी किया था। जिसमें लिखा था, %मायेर कोरबो स्वच्छता से स्वागत% यानी मां दुर्गा का स्वागत स्वच्छता से करेंगे। जैसा कि शब्दों से पता चलता है, पोस्टर के अकेले वाक्य में बांग्ला और हिंदी शब्दों का अनूठा मेल पेश किया गया। विज्ञापन के भाषा की जिन्हें समझ है, उन्हें पता है कि बांग्ला और हिंदी के इस अनूठे मेल के जरिए जो संदेश दिया गया, वह कितना प्रभावी रहा। लेकिन तृणमूल कांग्रेस को इस वाक्य के तीन शब्द 'स्वच्छता से स्वागत' बंगाल में हिंदी थोपने का षडयंत्र नजर आने लगा। वैसे भी राज्य में अब भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। भाजपा की पहचान हिंदुत्व और हिंदी को लेकर रही है। इसलिए तृणमूल के लिए यह आरोप लगाना और उसे भाजपा के हिंदी वर्चस्ववाद के छद्म नैरेटिव से जोड़ना आसान रहा। लेकिन कोलकाता नगर निगम ने राजनीति से किनारा करना उचित समझा और इसे बदलने में उसने देर नहीं लगाई। पोस्टर के वाक्य को पूरी तरह बांग्ला कर दिया, %स्वच्छतार साथे, मां के स्वागत जनाई% कर दिया। बांग्ला के इस वाक्य का भाव वही है, जो पहले वाक्य का रहा। अफसोस यह कि राजनीति की वजह से भाषाई मेल का अनूठापन गायब हो गया।संविधान सभा में हिंदी को जितनी चुनौतियों का सामना नहीं करना पड़ा, उससे ज्यादा हिंदी इन दिनों वह चुनौतियों से जूझ रही है। वैसे तो तमिल जैसी क्षेत्रीय राजनीतिक अस्मिताएं हिंदी की राह में रोड़े डालती रही हैं। इसका साथ कभी कर्नाटक तो कभी महाराष्ट्र देता रहा है। यहां गौर करने की बात यह है कि भारतीय राष्ट्रीयता के अंतर्गत कई उपराष्ट्रीयताएं भी हैं, जिसे हम क्षेत्रीय अस्मिताओं के नाम से भी जानते हैं। भारतीय राष्ट्रीयता का मूल स्वर हिंदी के जरिए उद्घाटित होता है। जिसे हम हिंदी हार्टलैंड या हृदय प्रदेश कहते हैं, वहां राष्ट्रीयता पर अपवादस्वरूप ही सवाल उठते हैं। लेकिन उपराष्ट्रीयताएं अक्सर हिंदी पर हमले के बहाने राष्ट्रीयता को प्रकारांतर से चुनौती देती रहती हैं। तब उनका एक मात्र तर्क यही होता है कि हिंदी थोपी जा रही है। दिलचस्प यह है कि जिस भाषा ने करीब दो सौ साल तक देश को गुलाम बनाए रखा, उसे अपनाने में उपराष्ट्रीयताएं गर्व समझती हैं। संविधान सभा की आखिरी बैठक के दिन सभा के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने खुलेतौर पर स्वीकार किया था कि भाषा की समस्या का ठोस हल सभा नहीं निकाल पायी है। फिर भी उन्हें उम्मीद थी कि आने वाले दिनों में भाषा के मुद्दे पर देश गांधी की तरह सोचेगा। हालांकि महावीर प्रसाद त्यागी को ऐसी उम्मीद नहीं थी। इसीलिए उन्होंने अपने आखिरी भाषण में कहा था कि वे संविधान के पृष्ठों पर गांधीजी को खोज रहे हैं, लेकिन उन्हें गांधी नजर नहीं आए।ता नहीं, तृणमूल कांग्रेस को यह पता है या नहीं, लेकिन उसे जानना चाहिए कि आर्य समाज के प्रमुख ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश को हिंदी में लिखने के लिए बांग्ला माटी के सपूत केशवचंद्र सेन ने स्वामी दयानंद सरस्वती को प्रेरित किया था। भावी भारत की संपर्क या राष्ट्रभाषा बनने की क्षमता हिंदी में देखने वाले प्राथमिक लोगों में केशवचंद्र सेन भी रहे। कांग्रेस का अध्यक्ष बनने के बाद बंगाल की माटी के क्रांतिकारी सपूत सुभाष चंद्र बोस ने ना सिर्फ हिंदी सीखने के लिए शिक्षक रखा था, बल्कि उन्होंने कोलकाता नगर निगम के अध्यक्ष के नाते पिछली सदी के तीस के दशक में हिंदी को लेकर अर्थपूर्ण भाषण भी दिया था।

# मां दंतेश्वरी के दरबार से आत्मनिर्भरता की नई उड़ान, वृंदा महिला स्व-सहायता समूह ने कमाए लाखों रुपय

## जुलाई में शुरू हुआ रागी के लड्डुओं का सफर, नवरात्रि में लगभग 6.50 लाख रुपये की आमदनी से मिली नई पहचान

**एक सत बुलेटिन ➤ दंतेवाड़ा**

मां दंतेश्वरी की पावन नगरी दंतेवाड़ा में इस शारदीय नवरात्रि में आस्था के साथ महिला सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता की प्रेरणादायक तस्वीर देखने को मिली है। जिला लघु वनोपज सहकारी संघ मर्यादित के अंतर्गत वृंदा महिला स्व-सहायता समूह की 10 दीदियों ने अपनी मेहनत, लगन और उद्यमशीलता से रागी के लड्डुओं को आजीविका का मजबूत माध्यम बना दिया है। जुलाई 2026 में शुरू हुई इस पहल ने महज कुछ महीनों में सफलता की नई कहानी लिख दी। जुलाई, अगस्त और सितंबर माह के दौरान समूह ने लगभग 1.50 लाख रुपये की आमदनी अर्जित की, वहीं अक्टूबर माह में शारदीय नवरात्रि के दौरान लगभग 6.50 लाख रुपये की आमदनी हासिल कर समूह की महिलाओं ने अपनी मेहनत और हुनर का परिचय दिया।



दंतेवाड़ा -मां दंतेश्वरी के दरबार से आत्मनिर्भरता की नई उड़ान, वृंदा महिला स्व-सहायता समूह ने कमाए लाखों रुपये

वृंदा महिला स्व-सहायता समूह की दीदियों ने जुलाई माह में रागी के लड्डुओं के निर्माण के साथ अपने इस सफर की शुरुआत की थी। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पौष्टिक अनाज को आजीविका से जोड़ने के उद्देश्य से शुरू की गई इस पहल में महिलाओं ने उत्पादों की गुणवत्ता, स्वाद और पैकेजिंग पर विशेष ध्यान दिया। धीरे-धीरे उनके उत्पादों को पहचान मिलने लगी और समूह की महिलाओं का आत्मविश्वास भी बढ़ता गया।

### बढ़ाने और बेहतर आमदनी अर्जित करने का मौका मिला

शारदीय नवरात्रि के अवसर पर मां दंतेश्वरी के दर्शन के लिए दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं के बीच रागी के लड्डुओं की मांग ने इस पहल को नई गति प्रदान की। भक्तों को मां के दरबार से विशेष प्रसाद अपने घर ले जाने का अवसर मिला, वहीं महिलाओं को अपने उत्पादों की बिक्री बढ़ाने और बेहतर आमदनी अर्जित करने का मौका मिला।

समूह की सफलता अब रागी के लड्डुओं तक सीमित नहीं है। वृंदा महिला स्व-सहायता समूह की दीदियां रागी लड्डु के साथ महुआ लड्डु, महुआ कुकीज, रागी कुकीज और कोदो कुकीज का भी निर्माण कर रही हैं। स्थानीय अनाज और वनोपज से तैयार इन उत्पादों के माध्यम से पारंपरिक संसाधनों को नए रूप में बाजार तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इससे स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन मिलने के साथ महिलाओं के लिए रोजगार और आय के नए अवसर भी विकसित हो रहे हैं।

मां दंतेश्वरी के दरबार में श्रद्धालुओं तक पहुंच रहा रागी का प्रसाद अब इन महिलाओं की मेहनत, आत्मविश्वास और आर्थिक स्वावलंबन का प्रतीक बन गया है। समूह की 10 दीदियों के लिए यह पहल केवल लड्डु बनाने और बेचने तक सीमित नहीं, बल्कि अपनी मेहनत के दम पर आर्थिक रूप से मजबूत बनने और समाज में नई पहचान स्थापित करने का अवसर भी है। जिला लघु वनोपज सहकारी संघ मर्यादित के अंतर्गत संचालित यह पहल स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग, महिला स्व-सहायता समूहों को आजीविका से जोड़ने और ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण है। जुलाई में छोटे स्तर पर शुरू हुआ रागी के लड्डुओं का सफर नवरात्रि तक लाखों रुपये की आमदनी के मुकाम पर पहुंच गया। वृंदा समूह की दीदियों की यह सफलता बताती है कि अवसर, सामूहिक प्रयास और मेहनत का साथ मिले तो स्थानीय उत्पादों के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम कर सकती हैं।

### *पुराने निर्माण कार्यों को दिसम्बर तक पूर्ण करने के दिए निर्देश*

# लोक निर्माण विभाग के सचिव ने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

**बारिश में रूके कार्यों को शीघ्र प्रारंभ करने तथा कार्यों में तेजी लाने कहा**

**दीवाली के पहले सभी श्रमिकों के मजदूरी भुगतान के निर्देश**

**एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर**

लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार बंसल ने आज राजनांदगांव में लोक निर्माण विभाग द्वारा किए जा रहे निर्माण एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने राजनांदगांव जिले में स्वीकृत, निर्माणाधीन एवं लंबित सड़कों, पुल-पुलियों तथा भवन निर्माण कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने पुराने एवं लंबित निर्माण कार्यों को आगामी दिसम्बर माह तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने बारिश के कारण रूके निर्माण कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कर कार्यों में तेजी लाने को कहा। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता एवं समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।



**लोक निर्माण विभाग के सचिव ने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की**

विभागीय सचिव ने गुणवत्ताहीन एवं समय-सीमा में कार्य नहीं करने वाले ठेकेदारों के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए ब्लैक-लिस्ट करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सभी निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग कर कार्यों की प्रगति सुनिश्चित करने को कहा। राजनांदगांव के कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री दुर्गा प्रसाद अधिकारी और लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता श्री वी.के. भतपहरी भी बैठक में मौजूद थे।

श्री बंसल ने सड़क निर्माण, चौड़ीकरण, मजबूतीकरण एवं मरम्मत कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़कों के कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण किए जाएं, ताकि नागरिकों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके। उन्होंने निर्माणाधीन सड़कों की प्रगति की नियमित समीक्षा करने तथा कार्यों में आ रही तकनीकी एवं प्रशासकीय समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण स्थलों का नियमित निरीक्षण कर निर्धारित तकनीकी मापदण्डों के अनुरूप कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने निर्माण कार्यों में लापरवाही एवं अनावश्यक विलंब नहीं करने के निर्देश दिए।

श्री बंसल ने भवनों के निर्माण, मरम्मत एवं संधारण कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्माणाधीन भवनों के कार्यों में तेजी लाने तथा लंबित कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की नियमित समीक्षा करने तथा जिन कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं हो रही है, उनके कारणों की जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

## सरगुजा के 11 गांवों को मिली बेहतर सड़क सुविधा, बबौली-बिलमा मार्ग का डामरीकरण कार्य पूर्ण

**सरगुजा के 11 गांवों को मिली बेहतर सड़क सुविधा, बबौली-बिलमा मार्ग का डामरीकरण कार्य पूर्ण**

**2.40 करोड़ रुपये की स्वीकृति से 2.20 किलोमीटर सड़क का डामरीकरण, 5 नवीन पुल-पुलियों का भी निर्माण**

**एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर**

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क अधोसंरचना को मजबूत बनाने और दूरस्थ गांवों को बेहतर आवागमन सुविधाओं से जोड़ने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इसी कड़ी में सरगुजा जिले के लुण्ड्रा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बबौली-बिलमा मार्ग का डामरीकरण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। लगभग 2.40 करोड़ रुपये की स्वीकृति से निर्मित 2.20 किलोमीटर लंबे इस मार्ग से क्षेत्र के 11 गांवों के हजारों ग्रामीणों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी। सड़क के साथ 5 नवीन पुल-पुलियों का निर्माण होने से ग्रामीणों को विशेषकर वर्षा ऋतु में आवागमन संबंधी परेशानियों से राहत मिलेगी। इस सड़क के निर्माण से शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और व्यापारिक गतिविधियों के लिए विकासखंड एवं जिला मुख्यालय तक पहुंच अधिक सुगम होगी।

**सरगुजा के 11 गांवों को मिली बेहतर सड़क सुविधा, बबौली-बिलमा मार्ग का डामरीकरण कार्य पूर्ण**

लोक निर्माण विभाग, संभाग अम्बिकापुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार बबौली-बिलमा मार्ग के निर्माण एवं उन्नयन के लिए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 14 अक्टूबर 2024 को 239.82 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई थी। निर्माण कार्य के लिए मेसर्स जवाहर लाल गुप्ता के साथ 239.95 लाख रुपये का अनुबंध किया गया। इसके अंतर्गत 2.20 किलोमीटर लंबाई में 3.75 मीटर चौड़ी सड़क का डामरीकरण कार्य पूर्ण किया गया है। इसके अतिरिक्त मार्ग पर 5 नवीन पुल-पुलियों का निर्माण भी किया गया है।

# उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा की पहल से कबीरधाम में प्रदेश में सबसे ज्यादा 48 नई समितियों का गठन

**कबीरधाम में 37 नए धान खरीदी केंद्र भी खुले, किसानों को घर के नजदीक धान बेचने की मिलेगी सुविधा**

**एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर**

किसानों को धान बेचने के लिए दूर न जाना पड़े और उन्हें अपने क्षेत्र में ही खरीदी की सुविधा मिले, इसके लिए कबीरधाम जिले में सहकारी समितियों का विस्तार किया गया है। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा की पहल से कबीरधाम जिले में प्रदेश में सर्वाधिक 48 नई सहकारी समितियों का गठन किया गया है। इसके साथ ही 37 नए धान उपार्जन केंद्र भी खोले गए हैं।



### गांवों की सूची पढ़कर सुनाई गई

धान खरीदी व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए जिले के सभी 145 पुराने एवं नवीन सहकारी समितियों तथा धान उपार्जन केंद्रों में ग्रामों के संलग्नीकरण से संबंधित गैपिंग आदेश का वाचन आज गांवों में किया गया। इस दौरान संबंधित ग्रामों के सरपंच, पंचगण, स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं किसानों की उपस्थिति में सूची का वाचन किया गया। वाचन प्रक्रिया के दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि समितियों एवं उपार्जन केंद्रों में ग्रामों का संलग्नीकरण किसानों की सुविधा के अनुरूप एवं सर्वमान्य हो।

खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए प्रदेश में कुल 525 नई सहकारी समितियां गठित की गई हैं, जिनमें सबसे अधिक 48 समितियां कबीरधाम जिले में हैं। नई समितियों और खरीदी केंद्रों से किसानों को धान बेचने के लिए नजदीकी विकल्प मिलेंगे। इससे दूर के केंद्रों तक धान ले जाने में लगने वाले समय और परिवहन खर्च में कमी आएगी।

### कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने ऑडिटोरियम मरम्मत कार्य का किया निरीक्षण

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने जिला मुख्यालय स्थित ऑडिटोरियम भवन में चल रहे मरम्मत कार्य का निरीक्षण कर कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को मरम्मत कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने तथा निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के निर्धारित मानकों का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कहा कि ऑडिटोरियम में विभिन्न शासकीय कार्यक्रमों, बैठकों, सम्मेलनों एवं अन्य आयोजनों का संचालन किया जाता है। ऐसे में यहां आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता, भवन की बेहतर स्थिति और सुव्यवस्थित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करना प्राथमिकता है। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मरम्मत कार्य को प्राथमिकता के साथ पूर्ण किया जाए।

### बैंकिंग सेवाओं से वंचित पात्र हितग्राहियों को मिलेगा वित्तीय एवं सामाजिक सुरक्षा का लाभ

## *जिले में 31 दिसंबर तक आयोजित होगा वित्तीय समावेशन शिविर*

**एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर**

भारत सरकार वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के निर्देशानुसार 21 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2026 तक ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय स्तर पर वित्तीय समावेशन शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इसी कड़ी में सूरजपुर जिले में भी ग्राम एवं नगरीय निकाय स्तर पर शिविर आयोजित किया जा रहा है। जिसके माध्यम से बैंकिंग सेवाओं से वंचित नागरिकों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से जोड़ना तथा केंद्र सरकार की प्रमुख वित्तीय एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जायेगा।

अभियान के दौरान प्रधानमंत्री जनधन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों का पंजीयन किया जाएगा। विशेष रूप से पीवीटीजी परिवारों के जनधन खाते शुरू किया जायेगा। शिविरों में निष्क्रिय जनधन खातों को सक्रिय करने, आधार सीडिंग, लंबित केवाईसी एवं री-केवाईसी प्रक्रिया पूर्ण करने तथा बचत खातों में नामांकन संबंधी जानकारी अद्यतन करने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। नागरिकों को विभिन्न वित्तीय योजनाओं के लाभ, बैंकिंग सुविधाओं तथा डिजिटल लेन-देन के दौरान होने वाली धोखाधड़ी से बचाव के संबंध में भी जागरूक किया जाएगा।

अग्रणी जिला प्रबंधक श्री संदीप कुमार ने जानकारी दी है कि अभियान के अंतर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय क्षेत्र को कम से कम एक शिविर से आच्छादित करने का लक्ष्य रखा गया है।

### छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के उद्घाटन मुकाबले में न्यायधानी नाइट्स की शानदार जीत, राजधानी रॉयल्स को 2-1 से हराया

# छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के उद्घाटन मुकाबले में न्यायधानी नाइट्स की शानदार जीत

**एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर**

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के उद्घाटन मुकाबले में न्यायधानी नाइट्स की शानदार जीत, राजधानी रॉयल्स को 2-1 से हरायारायपुर - छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के उद्घाटन मुकाबले में न्यायधानी नाइट्स की शानदार जीत, राजधानी रॉयल्स को 2-1 से हराया

मैच की शुरुआत से ही न्यायधानी नाइट्स ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। मुकाबले के 12वें मिनट में चिराग ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपनी टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। उनके तेज फ्लिक को राजधानी रॉयल्स के पहले रशर और गोलकीपर हिमांशु मलिक रोकने में नाकाम रहे। दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में केतन कुशवाहा ने शानदार मैदानी गोल कर न्यायधानी नाइट्स की बढ़त 2-0 कर दी। केतन ने विपक्षी टीम के कुछ रक्षकों को छकाते हुए गेंद गोलपोस्ट में पहुंचाई।




इसके ठीक एक मिनट बाद न्यायधानी नाइट्स को अपनी बढ़त और मजबूत करने का मौका मिला, लेकिन टीम पेनल्टी कॉर्नर को गोल में नहीं बदल सकी। दूसरी ओर, राजधानी रॉयल्स के कप्तान ललित उपाध्याय ने मिडफील्ड में आक्रामकता बढ़ाते हुए टीम को मुकाबले में वापस लाने का प्रयास किया। हालांकि, राजधानी रॉयल्स भी उसे मिले दुर्लभ पेनल्टी कॉर्नर का फायदा नहीं उठा सकी।

न्यायधानी नाइट्स के सुरेंद्र सिंह ने रक्षापंक्ति में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने विपक्षी खिलाड़ियों को डी क्षेत्र में खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। न्यायधानी नाइट्स के रक्षकों ने लगातार बेहतरीन ढंग से गेंद को खतरे के क्षेत्र से बाहर निकाला, जिसका असर स्कोर पर भी दिखाई दिया। दूसरे क्वार्टर के अंतिम क्षणों में राजधानी रॉयल्स के अनिकेत कुजूर के लिए दिए गए पास को रोकने के प्रयास में सुरेंद्र सिंह के चेहरे पर चोट भी लगी।

मुकाबले के दूसरे हाफ की शुरुआत में न्यायधानी नाइट्स को संजीत तिर्की द्वारा स्टिक चेक किए जाने के कारण पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन टीम इसे गोल में नहीं बदल सकी। इसके बाद मिले अगले मौके पर भी टीम को सफलता नहीं मिली। केतन कुशवाहा ने विपक्षी टीम के डी क्षेत्र में लगातार गोल करने के प्रयास किए, लेकिन उनके शॉट्स में सटीकता की कमी रही। दूसरी ओर, तीसरे क्वार्टर में राजधानी रॉयल्स के खिलाड़ियों ने भी कई बार विपक्षी टीम के डी क्षेत्र में प्रवेश किया, लेकिन अग्रिम पंक्ति के खिलाड़ियों के बीच तालमेल की कमी के कारण ये प्रयास गोल में तब्दील नहीं हो सके।

## राष्ट्रपति के बस्तर दौरे को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

जगदलपुर। भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के 23 अक्टूबर को निर्धारित बस्तर प्रवास को लेकर प्रशासनिक स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था बेहद सख्त कर दी गई है। वीवीआईपी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए महत्वपूर्ण आदेश जारी किए गए हैं, जिसके तहत चिन्हित संवेदनशील क्षेत्रों को नो ड्रोन फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा जारी आदेश के तहत मां दंतेश्वरी एयरपोर्ट जगदलपुर से 25 किलोमीटर की परिधि में 23 अक्टूबर को सुबह 06 बजे से शाम 04 बजे तक किसी भी प्रकार के ड्रोन उड़ाने पर पूरी तरह पाबंदी लगाई गई है। इसी क्रम में सुरक्षा घेरे को और अधिक सुदृढ़ करते हुए सिरहासार भवन एवं दंतेश्वरी मंदिर परिसर से 03 किलोमीटर के दायरे में भी 23 अक्टूबर को सुबह 07 बजे से शाम 05 बजे तक ड्रोन संचालन को पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिया गया है।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक मुद्रक संपादक अभिषेक शर्मा द्वारा शॉप नंबर 33, एक सत बुलेटिन कार्यालय, संजय चौक , गौरेला जिला गौरेला पेंड्रा मरवाही छत्तीसगढ़ पिन कोड 495117 से प्रकाशित एवं असमां पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, जयस्तम्भ चौक रायपुर छत्तीसगढ़ -492001 से मुद्रित। समूह संपादक - महेश कुमार तिवारी , स्थानीय उप संपादक / सिटी चीफ़ - भूपेंद्र सिंह , प्रशांत डेनियल



बस्तर दशहरा 2026

छत्तीसगढ़ शासन
सत्यमेव जयते

## जनजातीय संस्कृति, जनआस्था और जनभागीदारी का उत्सव

# मुरिया दरबार एवं बस्तर दशहरा



**23 अक्टूबर 2026**

**समय:- अपराह्न 12:45 बजे**

**स्थान :- लाल बाग मैदान, जगदलपुर**

**माननीय राष्ट्रपति**

## श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी

**का**

# हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन



**श्री विष्णु देव साय**

**माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़**

49529/54

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in